Website:- www.Janmarg.com
TITLE CODE:- T/RJ/2024/211
e-mail :morningjanmarg@gmail.com

निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

जनमार्ग

लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र

एक उम्दा फिल्ममेकर है पल्लवी 4

श्रीगंगानगर, गुरुवार, 26.12.2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रुपये ● वर्ष : 1 ● अंक : 248 ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-2970692

संगठन फेरबदल-मंत्रिमण्डल विस्तार की चर्चाओं के बीच नड्डा का दौरा

● बीजेपी कार्यालय में प्रमुख नेताओं से करेंगे चर्चा ● सरकार बनने के बाद पहली बार आ रहे जयपुर

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। प्रदेश में संगठनात्मक फेरबदल और मंत्रिमण्डल विस्तार की चर्चाओं के बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिवसीय दौरे पर जयपुर आ रहे हैं। नड्डा गुरुवार रात जयपुर पहुंचे। वे शुक्रवार को दोपहर 2 बजे बीजेपी कार्यालय में प्रमुख बीजेपी पदाधिकारियों व नेताओं के साथ संवाद करेंगे। प्रदेश में बीजेपी सरकार बनने के बाद जेपी नड्डा पहली बार प्रदेश बीजेपी कार्यालय आ रहे हैं। इससे पहले नड्डा विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान जयपुर आए थे। वहीं नड्डा लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र 3 अप्रेल को झालावाड़ और 8 अप्रेल को हनुमानगढ़ में प्रचार के लिए आए थे। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ अध्यक्ष बनने के बाद से ही पुरानी टीम के साथ काम कर रहे है। ऐसे में अब उनकी नई टीम का गठन होना है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी का संगठन पर्व भी चल रहा है। जिसमें बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए चुनाव होना है। प्रदेश में बूथ और मंडल के चुनावों की समय सीमा निकल गई है। लेकिन कई जगह पर अभी भी बूथ अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष के चुनाव नहीं हो सके है। ऐसे में नड्डा इन तमाम मुद्दो को लेकर प्रमुख पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर सकते हैं। नड्डा की बैठक से पहले प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल प्रदेश बीजेपी कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक लेंगे। वे नड्डा की बैठक में भी मौजूद रहेंगे। वहीं सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात के दौरान मंत्रिमण्डल विस्तार और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर भी चर्चा होने की संभावना हैं। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत शुक्रवार को प्रदेश के 1.50 लाख से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को जमीन के पट्टे दिए जाएंगे। प्रदेश के पुराने 33 जिला मुख्यालयों पर पट्टे बांटे जाएंगे,इसके लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को बुलाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। जयपुर के कार्यक्रम में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद नड्डा बीजेपी कार्यालय पहुंचेगे। यहां बीजेपी पदाधिकारियों से चर्चा के बाद नड्डा शाम 5 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

ग्रामीणों को पट्टे बांटेगी सरकार, वर्चुअली जुड़ेंगे मोदी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत आज प्रदेश के 1.50 लाख से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को जमीन के पट्टे दिए जाएंगे। प्रदेश के पुराने 33 जिला मुख्यालयों पर पट्टे बांटे जाएंगे,इसके लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को बुलाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। जयपुर के कार्यक्रम में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। नड्डा इसके लिए 26 की शाम को जयपुर पहुंच जाएंगे। स्वामित्व योजना के तहत पट्टे बांटने के लिए 3526 ग्राम पंचायतों में भी वर्चुअल कार्यक्रम होंगे। श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय पर खाद्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा जिला स्तर पर पट्टे बांटने के कार्यक्रम में राज्य सरकार ने मंत्रियों की ड्यूटी लगाई है। पट्टे बांटने के कार्यक्रम नए जिलों में नहीं रखे गए हैं।

संसद भवन के सामने शख्स ने खुद को आग लगाई

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में नए संसद भवन के पास रेलवे भवन के सामने बुधवार दोपहर एक शख्स ने खुद को आग लगाकर सुसाइड की कोशिश की। घटना में युवक गंभीर झुलसा है। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के एक अधिकारी के मुताबिक दोपहर 3.35 कॉल आया था। इसमें युवक के आग लगाने की बात रही गई थी। हमने एक गाड़ी मौके पर भेजी थी। अधिकारी ने बताया कि संसद की सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने व्यक्ति को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी मिलने पर मौके पहुंची पुलिस को घटनास्थल से पेट्रोल, जला हुआ बैग और जूता मिला है। जिस जगह पर युवक ने खुद को आग लगाई, वहां बैरिकेडिंग की गई है। फिलहाल युवक की जानकारी सामने नहीं आई है।

पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में आए युवक को बीएसएफ ने मारी गोली

● पाक करंसी, सिगरेट की डिब्बी, लाइटर और परिचय पत्र मिला

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले में केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 01-एक्स बॉर्डर पोस्ट के समीप कल मंगलवार देर रात को पाकिस्तान की ओर से भारतीय क्षेत्र में संदिग्ध रूप से आए एक युवक को बीएसएफ के जवानों ने गोली से उड़ा दिया। इस युवक को अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तारबंदी के नजदीक मार गिराया गया। करीब 33-34 वर्षीय मृतक युवक के पास 1770 रुपए की पाक करंसी,सिगरेट की एक डिब्बी, लाइटर और उर्दू लिखित परिचय पत्र मिला है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कल रात लगभग 11.30 चक 01-एक्स बॉर्डर पोस्ट के जवान अंतरराष्ट्रीय सीमा-जीरो लाइन पर हलचल देख अलर्ट हो गए। जीरो लाइन को पार कर युवक भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने लगा तो बीएसएफ के जवानों ने उसे रोकने के लिए ललकारा लेकिन वह नहीं रुकि। युवक जीरो लाइन को पार कर तारबंदी के समीप आ गया। बार-बार आवाज लगाने पर भी जब वह नहीं रुक तो जवानों ने उस पर गोलियां चला दीं,जिससे वह वहीं ढेर हो गया। संदिग्ध पाकिस्तानी घुसपैठियों के मारे जाने का पता चलने पर श्रीगंगानगर में बीएसएफ के सेक्टर और कमांडेंट हेड क्वार्टर से वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। उन्होंने आज सुबह देखा तो तारबंदी के समीप संदिग्ध युवक मृत पड़ा था। बीएसएफ की ओर से पुलिस को इस घटना की सूचना काफी देर बाद आज दोपहर दी गई। काफी देर तक पुलिस को मौके पर जाने नहीं दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार देखने में यह युवक ठीक-ठाक परिवार का तथा भला-चंगा प्रतीत होता है।उसने हल्के ग्रे रंग का पाकिस्तान कुर्ता-पायजामा पहना हुआ है। बीएसएफ द्वारा मौके की कार्यवाही करने के बाद केसरीसिंहपुथ थाना में रिपोर्ट दी गई, जिस पर अज्ञात व्यक्ति पर अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने पर इंडियन फॉरेनर एक्ट और इंडियन पासपोर्ट एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

हाईवे पर भीषण दुर्घटना में बाइक सवार युवक और बालिका की मौत, दो घायल

● ताखरांवाली बस अड्डे के पास हुआ हादसा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर-सूरतगढ़ रोड नेशनल हाईवे 62 पर लालगढ़ जाटान थाना क्षेत्र में गांव ताखरांवाली के बस अड्डे के पास एक भीषण दुर्घटना में एक युवक और एक बालिका की मृत्यु हो गई जबकि एक युवक समेत दो घायल हो गए। मृतक और घायल आपस में रिश्तेदार हैं। यह चारों एक मोटरसाइकिल पर सवार थे।किसी अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से यह हादसा हुआ। डीएसपी (ग्रामीण) राहुल यादव ने बताया कि कल शाम करीब 6:30 बजे हुई इस दुर्घटना में मृतकों की पहचान इंद्राज नायक (35) निवासी पठानवाला और मानवी (12)पुत्री विजयपाल निवासी चक 11-एलएनपी ख्यालीवाला के रूप में हुई है। घायलों में सुनील (30) निवासी घमंडिया थाना सूरतगढ़ सदर और मृतका मानवी का भाई विशाल(08) शामिल हैं। सुनील की हालत काफी गंभीर है। वह एक प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड में भर्ती है। बालक विशाल की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। डीएसपी राहुल यादव ने बताया कि मृतक इंद्राज और मानवी रिश्ते में फूफा-भतीजी हैं। सुनील मृतक इंद्राज का रिश्ते में साढू लगता है। इंद्राज और सुनील दोनों बच्चों को कल शाम मोटरसाइकिल पर गांव घमंडियां लेकर जा रहे थे। स्कूलों में शीतकालीन अवकाश होने पर दोनों बच्चे अपने मामा सुनील के साथ अपने ननिहाल घमंडियां जा रहे थे। इनके पास एक हेलमेट भी था। उन्होंने बताया कि मानवी की श्रीगंगानगर के जिला अस्पताल में कल देर शाम को मृत्यु हो गई जबकि इंद्राज ने सुबह बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में दम तोड़ा।

राजस्थान में साढ़े 11 हजार अटल प्रेरक लगेंगे

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की साढ़े 11 हजार ग्राम पंचायतों में अटल प्रेरक लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में अटल ज्ञान केंद्र खोले जाएंगे। इसे लेकर सीएम ने कहा कि इन ज्ञान केंद्रों पर युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लाइब्रेरी और ई-लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी। प्रशिक्षण और काउंसिलिंग सुविधा भी इन केंद्रों पर उपलब्ध होगी। प्रदेश भाजपा कार्यालय में अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह मनाया गया।

चौकी प्रभारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो ने कुस्तला पुलिस चौकी के प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक भरतलाल गुर्जर को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि एसीबी को पिछले कुछ समय से कुस्तला पुलिस चौकी क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन के मामलों में पुलिस द्वारा अवैध वसूली की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि करेला निवासी परिवादी देवराम मीना ने एसीबी के टोल फ्री नंबर 1064 पर मामले में शिकायत दर्ज कराई थी।

गहरी खाई में गिरी बस, 5 की मौत

जनमार्ग न्यूज

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में बुधवार दोपहर डेढ़ बजे यात्रियों से भरी बस 100 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 4 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 21 लोग घायल हैं। मरने वालों में एक बच्चा, दो महिला और एक पुरुष हैं। सभी 21 घायलों का हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ड्राइवर समेत 12 की हालत गंभीर है। बस में ड्राइवर समेत 25 लोग सवार थे। यह बस सुबह करीब 5 बजे पिथौरागढ़ से हल्द्वानी के लिए रवाना हुई थी। नैनीताल के भीमताल इलाके के वोहरा कुन में दोपहर के वक्त हादसा हुआ।

सांध्य दैनिक जनमार्ग व प्रातःकालीन जनमार्ग में अपडेट व ताजा खबरों के लिए देखें:-
Web:- www.janmarg.com
Youtube:- Janmarg News

दिल्ली विधानसभा चुनाव में राजस्थान के कांग्रेस-नेताओं की ड्यूटी

● श्रीगंगानगर सांसद कुलदीप इंदौरा को बिजवासन विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। दिल्ली विधानसभा चुनावों में राजस्थान के 35 कांग्रेस नेताओं को विधानसभा सीटों पर को-ऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें सांसद से लेकर विधायक और पूर्व विधायक भी है। पार्टी ने चुनावी मैनेजमेंट को संभालने और फील्ड में प्रचार के लिए विधानसभा और लोकसभा चुनाव हारे प्रत्याशियों को भी टास्क देकर फील्ड में उतारा है। पार्टी की ओर से असेंबली को-ऑर्डिनेटर बनाए गए नेताओं में चार सांसद, 9 विधायक, 11 पूर्व विधायक और 6 प्रदेश पदाधिकारी हैं। इन सभी को पार्टी को चुनाव अभियान से जुड़ी रिपोर्ट रोजाना देनी होगी। इनमें इनमें श्रीगंगानगर सांसद कुलदीप इंदौरा को बिजवासन,चूरू सांसद राहुल कस्वां को नजफगढ़, सांसद भजनलाल जाटव और पूर्व मंत्री जाहिदा खान को सीमापुरी, सांसद संजना जाटव और विधायक अशोक चांदना को कस्तूरबा नगर सीट के को-ऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई है। विधायक अशोक चांदना को कस्तूरबा नगर, रफीक खान को मुस्तफाबाद, अमीन कागजी को सीलमपुर, जाकिर हुसैन गैसावत को बल्लीमारान, मुकेश भाकर और मनीष यादव को नांगलोई जाट, इंद्रा मीणा को शकुर बस्ती, रामनिवास गावड़िया को बुराड़ी, रीटा चौधरी को दिल्ली कैंट, शिखा मील बराला को ग्रेटर कैलाश सीट के को-ऑर्डिनेटर जिम्मेदारी दी गई है। जोधपुर से एमपी उम्मीदवार रहे करण सिंह उचियारड़ा को मुस्तफाबाद, पूर्व प्रवक्ता और उम्मीदवार अर्चना शर्मा को विश्वास नगर की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा पाली से लोकसभा उम्मीदवार रहीं संगीता बेनीवाल को आदर्श नगर सीट की जिम्मेदारी संभालेंगी। लूणकरणसर से उम्मीदवार रहे राजेंद्र मूंड को मुंदका, सांगानेर से उम्मीदवार रहे पुष्पेंद्र भारद्वाज को बदरपुर सीट पर लगाया है। इस लिस्ट में प्रदेश के 11 पूर्व विधायकों के नाम भी है। इनमें पूर्व मंत्री ममता भूपेश को अंबेडकर नगर और प्रमोद जैन भाया को बल्लीमारान सीट की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं रामलाल जाट और नसीम अख्तर इंसाफ को मटियामहल, जाहिदा खान को सीमापुरी,अशोक बैरवा को देवली सीट पर टास्क दिया है।

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083 पर देवें। E-mail: Morningjanmarg@gmail.com

सम्पादकीय

रखना होगा विशेष ध्यान

विद्यार्थियों के सीखने का मूल्यांकन कैसे हो, इस पर दुनिया भर में विचार-विमर्श और प्रयोग होते रहे हैं। हर जगह यह स्वीकार कर लिया गया है कि लिखित परीक्षा ही मूल्यांकन का सबसे व्यावहारिक और कारगर तरीका है। मगर भारत जैसे देश में, जहां बहुत सारे बच्चे समाज के निचले तबके से पढ़ने आते हैं, उनके घर में पढ़ाई-लिखाई का उचित वातावरण नहीं है। उनमें से बहुत सारे बच्चों को स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ घर के काम या माता-पिता के काम में हाथ भी बंटाना पड़ता है, लिखित परीक्षा में ऐसे बहुत सारे विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हो जाते हैं। अनेक बच्चे इसीलिए स्कूल नहीं जाते या बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं कि उन्हें परीक्षा का भय सताता है। इसलिए तय किया गया कि पांचवीं तक किसी भी बच्चे को अनुत्तीर्ण नहीं किया जाएगा। उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया जाएगा। आठवीं तक उनका मूल्यांकन केवल पाठ्यपुस्तकों में दिए पाठों के आधार पर नहीं, बल्कि उनके समग्र व्यक्तित्व विकास, जैसे स्कूल में उनके आचरण, खेल-कूद, संगीत, कला आदि में उनकी रुचियों के आधार पर भी किया जाएगा। इस तरह बच्चे अगली कक्षा में आसानी से प्रोन्नत तो होने लगे, मगर सीखने की उनकी क्षमता में गिरावट दर्ज होनी शुरू हो गई। इसी के मद्देनजर अब केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि पांचवीं और आठवीं कक्षा में किसी भी विद्यार्थी को फेल न करने की नीति को वापस लिया जाए। अब इन कक्षाओं में अगर विद्यार्थी लिखित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करते, तो उन्हें दुबारा परीक्षा देनी होगी। उसके बाद भी वे उत्तीर्ण नहीं होते, तो उसी कक्षा में बैठना पड़ेगा। इस फैसले से निस्संदेह विद्यार्थियों, अभिभावकों और अध्यापकों पर पढ़ाई-लिखाई को लेकर सतर्क रहने का दबाव बनेगा। देश में पढ़ाई-लिखाई के स्तर को मापने के लिए हर वर्ष निजी और सरकारी स्तर पर सर्वेक्षण किए जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन सर्वेक्षणों में बहुत निराशाजनक परिणाम नजर आए। आठवीं कक्षा के विद्यार्थी पांचवीं-छठवीं कक्षा की पुस्तकें पढ़ने, उस स्तर का गणित हल कर पाने में भी अक्षम पाए गए। इस तरह शिक्षा का मकसद ही हाशिये पर चला जाता है।

राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी

25 दिसंबर का दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है।

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे... जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है..कौन जानता किधर सवेरा...आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। आज 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया।

भारत को नव विकास की गारंटी दी। वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वो भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्युनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने ना सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया। जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानि ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा। उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम

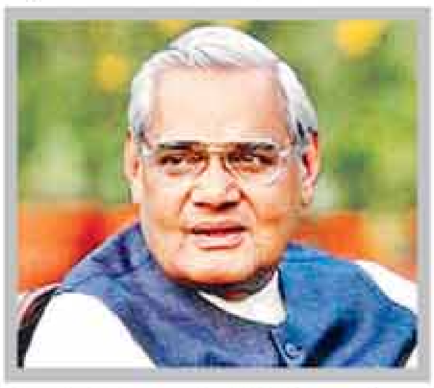

देशवासी गर्व से याद करते हैं। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, जब एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे 'ऑपरेशन शक्ति' का नाम दिया गया। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया। वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं। कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है। संसद में कहा गया उनका ये वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए...आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है। वो भारतीय लोकतंत्र को समझते थे। वो ये भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरूरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया।

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। उन में सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति न चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की। संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था। वो आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने 'जनसंघ' का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि ये निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया। राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वो साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। अटल जी की 100वीं जयंती, भारत में सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है। आइए हम सब इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें। हम एक ऐसे भारत का निर्माण करें,जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो। मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत ऐसे ही, हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

भारतीय राजनीति में अटल विचारों की जरूरत

भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती को आज 100 (शताब्दी) वर्ष पूरा हो रहा है। भाजपा सहित अटल जी को चाहने वालों के लिए ये वर्ष एक गौरवशाली और उनकी अतीत की स्मृतियों से प्रेरणा लेने का ऐतिहासिक वर्ष होगा। उनकी जन्म शताब्दी देशवासियों और राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को जीवन में उच्च मानदंड और उच्च कसौटी गढ़ने की नई प्रेरणा देगी। उनकी जन्म जयंती पर जब मैं श्रद्धेय अटल जी का स्मरण कर रहा हूं तो मुझे आज के राजनीतिक परिपेक्ष्य में उनका 31 मई 1996 को संसद में विश्वास मत के दौरान दिया गया भाषण याद आता है। जिसमें उन्होंने कहा कि 'देश आज संकटों से घिरा हुआ है, ये संकट हमने पैदा नहीं किए हैं, जब भी कभी आवश्यकता पड़ी, संकटों के निराकरण में हमने उस समय की सरकार की मदद की है, सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी, मगर ये देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।' उनकी ये पंक्तियां भारतीय राजनीति से सदैव लोकतंत्र की रक्षा हेतु अपेक्षा करती रहेंगी। आज जब देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना कर विकसित भारत के विशाल लक्ष्य के साथ "अमृत काल" की यात्रा पर नई ऊर्जा, नई शक्ति, नए जोश, नए उत्साह, नए विचार और नए लक्ष्यों के साथ तेज गति से आगे बढ़ रहा है। तब लोकतंत्र के मंदिर में प्रतिपक्ष से अच्छे व्यवहार और देश के विकास में सहयोग की अपेक्षा तो की ही जा सकती है। क्योंकि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा में हमारे व्यक्तिगत और पार्टी के हितों से बड़ा देश का हित होना चाहिए। संसदीय व्यवस्था में सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच सतत संवाद-सहमति, सहयोग-सहकार, स्वीकार-सम्मान का भाव प्रबल होना चाहिए। विपक्ष का काम सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना है, गलत निर्णयों में बदलाव करवाना है। मगर साथ ही विपक्ष सरकार की ऐसी नीतियों का समर्थन भी करे, जिससे गरीब, मजदूर, पिछड़े, महिला, किसान और युवाओं का उत्थान होता हो। भारतीय राजनीति में 6 दशक से अधिक कांग्रेस पार्टी को सत्ता में रहने का अवसर मिला, वहीं दूसरी ओर जन संघ और भाजपा को लंबे समय तक विपक्ष में रहना पड़ा।

1971 का युद्ध हो या 1991 का आर्थिक संकट हो अथवा देश हित का मुद्दा हो, अटल जी के नेतृत्व में जन संघ और भाजपा ने तत्कालीन सरकारों का समर्थन किया। इतना ही नहीं भाजपा ने 'शिक्षा का अधिकार 2009', 'सूचना का अधिकार 2005', 'भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजे और पारदर्शिता का अधिकार 2012', महिला सुरक्षा के लिए कानून 2013', 'स्ट्रीट वेंडर्स बिल 2012', 'खाद्य सुरक्षा', 'भारतीय कंपनी अधिनियम 2013' और 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व 2010' जैसे अनेक विधेयकों पर सरकार के निर्णयों का खुले दिल से स्वागत किया। अटल जी के विचार, संस्कार और व्यवहार में उनके पिता कृष्णबिहारी वाजपेयी (अध्यापक) एवं माता कृष्णादेवी जी के संस्कारों की सुगंध जीवन भर आती रही, तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के मार्गदर्शन में संघ की व्यक्ति निर्माण की भट्टी में तपकर अटल जी राष्ट्र प्रथम की भावना से और अंत्योदय के उद्देश्य से राजनीति के मैदान में आए। सन 1957 में जब वो पहली बार बलरामपुर लोकसभा से सांसद निर्वाचित होकर लोकसभा में पहुंचे, तब उन्होंने अपने एक भाषण में कहा था- "सभापति महोदय, मैं विरोधी दल में खड़ा हूं, लेकिन विरोध के लिए विरोध मेरा उद्देश्य नहीं हो सकता। इस सदन में भारतीय जनसंघ के सदस्यों की संख्या यद्यपि कम है, किन्तु हमारे सामने स्वर्गीय डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी का आदर्श है और हम इस बात का प्रयत्न करेंगे कि उस से अनुप्राणित होकर राष्ट्र निर्माण के महान यज्ञ में अपना भी योगदान दें"। अटल जी ने स्वतंत्रता की रजत जयंती के अवसर पर अपने वक्तव्य में कहा था कि "कितने ही प्रश्न हैं जो अनुत्तरित पड़े हैं। कितनी ही चुनौतियां हैं जो हमारा सामना कर रही हैं। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद कुछ मामलों में सबको मिलकर चलने की जो हमारी पुरानी पद्धति है, वही लोकतंत्र का आधार है। आज विपक्ष के करण जो परिस्थितियां दिखाई देती हैं, इससे निश्चित ही लोकतंत्र तो कमजोर होगा ही साथ ही नेताओं के लिए जो जन भावनाएं निर्माण हो रही हैं, वो भी भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। अब जब पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है, तब हमारे माननीय सांसदों के द्वारा देश की सर्वोच्च पंचायत संसद और लोकतंत्र को भी दुनिया के लिए प्रेरणा का केंद्र बनाना चाहिए।

गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहबजादों के साहस को श्रद्धांजलि

वीर बाल दिवस 26 दिसंबर 2024 पर विशेष

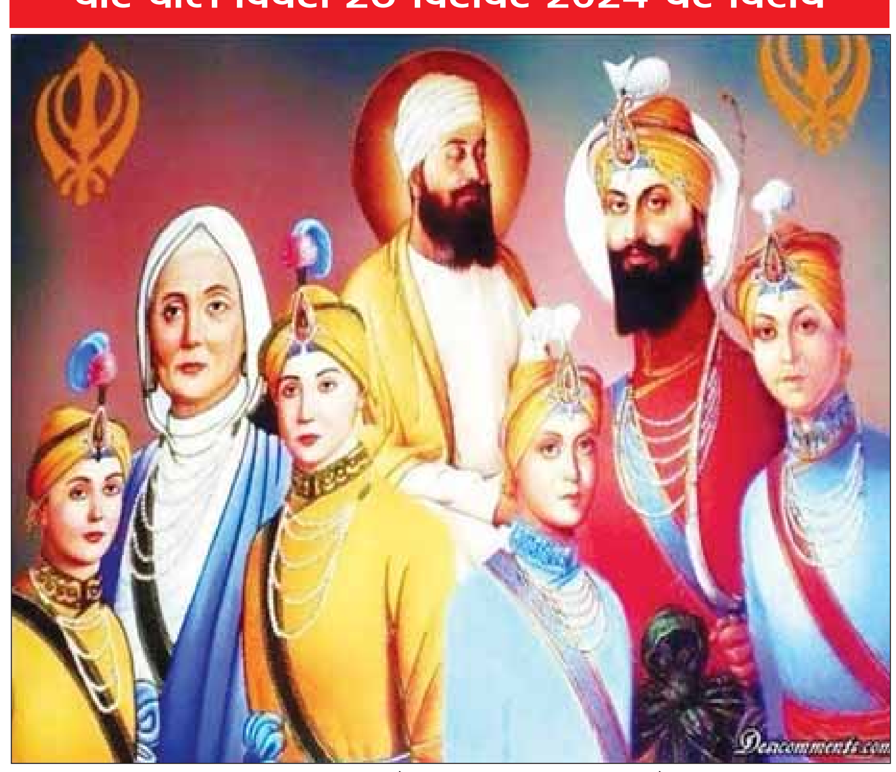

छोटे साहबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है व सिर श्रद्धा से झुक जाता है साहबजादों बाबा जोरावर सिंह व फतेहसिंह के सम्मान में बाल दिवस के साथ बाल पुरस्कार 26 जनवरी के स्थान पर 26 दिसंबर को देना सराहनीय निर्णय कि एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत की अनेक गाथाएं इतिहास में दर्द है, जिसका बखान उनके प्रकाशोत्सव वर्षगांठ या उस दुखद पल कुर्बानी दिवस के रूप में उसको याद किया जाता है। इसी कड़ी में 26 दिसंबर 2024 को सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार की शहादत को आज भी इतिहास की सबसे बड़ी शहादत माना जाता है। छोटे साहिबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है और सिर श्रद्धा से झुक जाता है। देश में पहली बार पीएम के ऐलान के बाद ही 26 दिसंबर को गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के साहस को श्रद्धांजलि देने के लिए वीर बाल दिवस पूरे देश-विदेश में मनाया जाता है। गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब उस स्थान पर खड़ा है, जहां साहिबजादों ने आखिरी सांस ली। केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री ने मंगलवार 24 दिसंबर 2024 को एक बयान जारी करके बताया कि भारत के बच्चों की उपलब्धियों और साम?र्थ्य को सम्मानित करते हुए आगामी गुरुवार को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रव्यापी गतिविधियों के लिए इस साल 14 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। इस पुरस्कार समारोह में सात श्रेणियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सात लड़कों और दस लड़कियों को सम्मानित किया जाएगा। पीएम बाल पुरस्कार इस बार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के बजाय 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के मौके पर दिए जाएंगे। राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में बाल पुरस्कार बांटेंगीं।पीएम इसके बाद भारत मंडपम में बच्चों से मिले।चूँकि छोटे साहबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाताहै व सिर श्रद्धा से झुक जाता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहबजादों के साहस को श्रद्धांजलि, वीर बाल दिवस 26 दिसंबर 2024 पर विशेष।

साथियों बात अगर हम वीर बाल दिवस के महत्व व परिभाषा संशोधन की करें तो, यह दिवस खालसा के चार साहिबजादों के बलिदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। अंतिम सिख गुरु गोबिंद सिंह के छोटे बच्चों ने अपने आस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। यह उनकी कहानियों को याद करने का भी दिन और यह जानने का भी दिन है कि कैसे उनकी निर्मम हत्या की गई-खासकर जोरावर और फतेह सिंह की। सरसा नदी के तट पर एक लड़ाई के दौरान दोनों साहिबजादों को मुगल सेना ने बंदी बना लिया था।इस्लाम धर्म कबूल नहीं करने पर उन्हें क्रमशः 8 और 5 साल की उम्र में कथित तौर पर जिंदा दफन कर दिया गया था। बदली परिभाषा, अब, वीर वह है जो अंधेरों को रोशन करेंसरकार ने इस बार वीरता की परिभाषा को भी परिमार्जित किया है। इसमें कहा गया है, वीर वह है जो अंधेरों को रोशन करें। इसमें केवल साहस ही नहीं दया, क्रियाशीलता, नवप्रवर्तन के साथ कुछ कर गुजरे बच्चों जो समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं को शामिल किया गया है, ताकि इससे देश की युवा पीढ़ी और बच्चे भी ऐसा करने के लिए प्रेरित हों। सरकार का मकसद इसके जरिये समग्रता के साथ बच्चों की वीरता और कारनामों को पेश करना है। वीर सपूतों के अदम्य साहस से प्रेरणा लेना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम 26 दिसंबर 2024 को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने व इसी दिन पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वितरण की करें तो,पीएम आह्वान पर 2022 से 26दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह के दो छोटे साहिबजादे 9 साल के बाबा जोरावर सिंह और उनके छोटे भाई 5 साल के बाबा फतेह सिंह की वीरता को समर्पित है। 26 दिसंबर को 1705 में इन महान सपूतों को धर्म नहीं बदलने पर प्रतिशोध स्वरूप वजीर खान ने जिंदा दीवार में चुनवा दिया था। इस शहादत को नमन करने के लिए इस बार वीर बाल दिवस के मौके पर बहादुर बच्चों को सम्मानित किया जा जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। यह वह नौनिहाल हैं, जिन्होंने साबित किया है कि दृढ़ संकल्प से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। इन बाल प्रतिभाओं से प्रेरणा लेकर विकसित भारत बनाएंगे। भारत सरकार असाधारण उपलब्धियों के लिए सात श्रेणियों कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान करती है। इस बार 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। इनमें 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 26 दिसंबर, 2024 को इन बच्चों को पुरस्कार प्रदान करेंगी। प्रत्येक विजेता को पदक, प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र पुस्तिका दिए जाएंगे। वीर बाल दिवस पर राष्ट्रीय कार्यक्रम 26 दिसंबर, 2024 को ही नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा । यह दिन युवा दिमागों को पोषित करने, उनकी रचनात्मकता बढ़ाने और विकसित भारत की भविष्यदृष्टि में योगदान के लिए उन्हें प्रेरित करने पर केंद्रित होगा। इस कार्यक्रम में पीएम शामिल होंगे। आयोजन में पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं और गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 3,500 बच्चे इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भारतीय विरासत को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। बच्चे विविध संस्कृतियों के प्रतिनिधित्व वाले मार्च पास्ट में भी शामिल होंगे। इसके अलावा माई गॉव/माई भारत पोर्टल पर ऑनलाइन गतिविधियां सहित देश भर के स्कूलों, बाल देखभाल संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों में कहानी सुनाने, रचनात्मक लेखन, पोस्टर बनाने, निबंध लेखन, कविता और प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

साथियों बात अगर हम वीर बाल दिवस के इतिहास की करें तो, बताते हैं कि मुगलों ने अचानक आनंदपुर साहिब के किले पर हमला कर दिया। गुरु गोबिंद सिंह जी मुगलों से लड़ना चाहते थे, लेकिन अन्य सिखों ने उन्हें वहां से चलने के लिए कहा। इसके बाद गुरु गोबिंद सिंह के परिवार सहित अन्य सिखों ने आनंदपुर साहिब के किले को छोड़ दिया और वहां से निकल पड़े। जब सभी लोग सरसा नदी को पार कर रहे थे तो पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि पूरा परिवार बिछड़ गया। बिछड़ने के बाद गुरु गोबिंद सिंह व दो बड़े साहिबजादे बाबा अजीत सिंह व बाबा जुझार सिंह चमकौर पहुंच गए। वहीं, माता गुजरी, दोनों छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह व बाबा फतेह सिंह और गुरु साहिब के सेवक रहे गंगू गुरु साहिब व अन्य सिखों से अलग हो गए। इसके बाद गंगू इन सभी को अपने घर ले गया लेकिन उसने सरहिंद के नवाज वजीर खान को जानकारी दे दी जिसके बाद वजीर खान माता गुजरी और दोनों छोटे साहिबजादों को कैद कर लिया। वजीर खान ने दोनों छोटे साहिबजादों को अपनी कचहरी में बुलाया और डरा-धमकाकर उन्हें धर्म परिवर्तन करने को कहा लेकिन दोनों साहिबजादों ने जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारे लगाते हुए धर्म परिवर्तन करने से मना कर दिया। वजीर खान ने फिर धमकी देते हुए कहा कि कल तक या तो धर्म परिवर्तन करो या मरने के लिए तैयार रहो। 27 दिसंबर को अगले दिन ठंडे बुर्ज में कैद माता गुजरी ने दोनों साहिबजादों को बेहद प्यार से तैयार करके दोबारा से वजीर खान की कचहरी में भेजा। यहां फिर वजीर खान ने उन्हें धर्म परिवर्तन करने को कहा लेकिन छोटे साहिबजादों ने मना कर दिया और फिर से जयकारे लगाने लगे। यह सुन वजीर खान तिलमिला उठा और दोनों साहिबजादों को जिंदा दीवार में चिनवाने का हुक्म दे दिया और साहिबजादों को शहीद कर दिया। यह खबर जैसे ही माता दादी माता गुजरी के पास पहुंची, उन्होंने भी अपने प्राण त्याग दिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहबजादों के साहस को श्रद्धांजलि-वीर बाल दिवस 26 दिसंबर 2024 पर विशेष,छोटे साहबजादों का स्मरण आते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है व सिर श्रद्धा से झुक जाता है।साहबजादों बाबा जोरावर सिंह व फतेहसिंह के सम्मान में बाल दिवस के साथ बाल पुरस्कार 26 जनवरी के स्थान पर 26 दिसंबर को देना सराहनीय निर्णय है।

- संकलनकर्ता लेखक
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
कर विशेषज्ञ स्तंभकार,
साहित्यकार
अंतरराष्ट्रीय लेखक, चिंतक
गोंदिया, महाराष्ट्र।

CMYK

जनमार्ग सिटी न्यूज

JANMARG news

जनमार्ग

श्रीगंगानगर, गुरुवार, 26 दिसम्बर 2024

माइंस विभाग की बकाया, ब्याजमाफी की एमनेस्टी योजना की अतिरिक्त निदेशक करेंगे मोनेटरिंग

- विभागीय एमनेस्टी योजना 31 मार्च, 2025 तक लागू
- बकाया मूल राशि में अधिकतम 90 प्रतिशत तक छूट
- खनन पट्टाधारियों के संगठनों के पदाधिकारी की भी भागीदारी तय

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। माइंस विभाग की बकाया-ब्याजमाफी की एमनेस्टी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन व नियमित मोनेटरिंग के लिए खान विभाग के अतिरिक्त निदेशकों को जोनल स्तर पर नोडल अधिकारी बनाते हुए जिम्मेदारी सौंपी गई है। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि जोनल अतिरिक्त निदेशक माइंस की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में जोन के सभी अधीक्षण खनि अभियंता वृत, जोन के सभी खनि अभियंता और सहायक खनि अभियंताओं के साथ ही खनन पट्टाधारियों के संगठन के प्रतिनिधि को सदस्य बनाया गया है। इसमें खासबात यह है कि खनन पट्टाधारियों के संगठन के पदाधिकारी की भी भागीदारी तय की गई है। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि एमनेस्टी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन व प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित बकायादारों से व्यक्तिगत समन्वय स्थापित किया जाएगा ताकि बकाया राजस्व की वसूली हो सकें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने विभागीय एमनेस्टी योजना लागू करने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा कि इस योजना से राज्य सरकार के बकाया राजस्व की वसूली हो सकेगी। साथ ही वसूली प्रयासों में लगने वाले अनावश्यक समय व धन की बचत होने से वसूली कार्य में नियोजित मानव संसाधन का प्रोडक्टिव कार्यों में उपयोग होगा। रविकान्त ने बताया कि माइंस विभाग की एमनेस्टी योजना अप्रधान खनिजों के खनन पट्टों, क्वारी लाइसेंसों, बजरी हेतु जारी अस्थाई कार्यानुमति के स्थिर भाटक/रेंट, अधिशुल्क, अधिक अधिशुल्क, शास्ति, आरसीसी, ईआरसीसी ठेकों की बकाया, परमिट, एसटीपी एवं निर्माण विभाग के ठेकेदारों की बकाया, अन्य विभागीय बकाया के 31 मार्च, 2023 तक के प्रकरणों पर लागू की गई है।

विभागीय एमनेस्टी योजना 31 मार्च, 2025 तक प्रभावी रहेगी। एमनेस्टी योजना में ब्याजमाफी के साथ ही बकाया अवधि के अनुसार अलग-अलग स्लेब में मूल राशि में अधिकतम 90 प्रतिशत तक की राहत दी गई है। योजना के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित राशि योजना अवधि में जमा कराने पर ही योजना प्रावधानों का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि एक मोटे अनुमान के अनुसार एमनेस्टी योजना में इस तरह के करीब 2900 प्रकरण आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि जोनल अतिरिक्तपाएगीशक माइंस को जोन स्तर पर नोडल अधिकारी बनाने से योजना का क्रियान्वयन और कारगर मोनेटरिंग संभव हो पाएगी।

नववर्ष-2025 के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। एस.डी. कॉन्वेंट स्कूल तथा श्री सनातन धर्म बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्रीगंगानगर के संयुक्त तत्वावधान में क्रिसमस, राष्ट्रीय वीर बाल दिवस तथा वर्ष 2024 के समापन एवं नववर्ष-2025 के आगमन के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण में हुए इस कार्यक्रम की शुरूआत संस्था निदेशक श्रीमती कमलेश कटारिया द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने नववर्ष व क्रिसमस पर अनेक संगीत, नाटक, हास्य व कविता प्रस्तुतियों द्वारा अदभुत समां बांधा तथा सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। छोटे-छोटे बच्चे क्रिसमस पोशाक पहनकर आकर्षण का केन्द्र बने रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए निदेशक श्रीमती कमलेश कटारिया ने बच्चों को सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया तथा क्रिसमस, तुलसी पूजन दिवस, राष्ट्रीय वीर बाल दिवस, गुरु गोविन्द सिंह जयंती, चार साहिबजादों की शहादत व नववर्ष पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने उत्सव-पर्वों की शुभकामनाएं देते हुए शीतकालीन अवकाश पर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी तथा नववर्ष पर कड़ी मेहनत व अनुशासन द्वारा सफलता हासिल करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को प्रसाद का वितरण किया गया।

बच्चों को न्याय एवं कानूनी व्यवस्था के बारे में बताया

तालुका विधिक सेवा समिति ने स्कूल में जागरूकता शिविर लगाया

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीगंगानगर के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति सूरतगढ़ ने हर्ष कॉनवेन्ट स्कूल में जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर की अध्यक्षता तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहम्मद आसिफ अंसारी एवं जिला लोकपाल अनिल धानुका के द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सुरेन्द्र ढाका ने स्वागत किया। शिविर का मुख्य विषय कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से सम्बधित रखा गया। शिविर के दौरान माननीय अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति मोहम्मद आसिफ अंसारी ने विद्यालय के समस्त अध्यापक, अध्यापिकाओ एवं समस्त मैनेजमेन्ट स्टाफ से विद्यालय की व्यवस्था के बारे में बातचीज की एवं आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं इस दौरान माननीय अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति मोहम्मद आसिफ अंसारी ने विद्यालय के बच्चों से भी बातचीत की एवं उनको न्याय व्यवस्था एवं कानूनी व्यवस्था के बारे में जानकारी दी तथा बच्चों को एफआईआर से सम्बधित सामान्य प्रकार की जानकारी दी कि वे किस प्रकार अपने साथ या अपने आसपास हो रही अमानवीय घटनाओं के प्रति एक्शन ले सकते है और साथ माननीय रालसा के हेल्पलाईन नम्बर 15100 के बारे में भी बताया। इस दौरान जिला लोकपाल एवं हर्ष कॉनवेन्ट स्कूल के चेयरमैन अनिल धानुका ने बताया कि इस वर्ष हर्ष कॉनवेन्ट स्कूल के 25 वर्ष पूरे हाने पर विद्यालय की ओर से 8 दिवसीय हर्षाथोन एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. जिसका भव्य शुभांरभ अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहम्मद आसिफ असारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने हर्ष कॉनवेन्ट स्कूल के समस्त स्टाफ, मैनेजमेन्ट व बच्चों को विद्यालय की 25वीं वर्षगांठ की शुभकामनाए भी दी और बच्चों को खेल भावना के प्रति प्रेरित भी किया। इस अवसर पर हर्षकॉनवेन्ट स्कूल ग्रुप के चैयरमैन व जिला लोकपाल अनिल धानुका ने एडीजे साहब मोहम्मद आसिफ अंसारी का विद्यालय में पधारने पर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर तालुका सचिव विनोद भाटी, पीएलवी राजेश कुमार पारीक एवं हर्ष कॉनवेन्ट स्कूल के डायरेक्टर राकेश धानुका, प्राचार्य एपी सिंह, विद्यालय के प्रशासक गौरव बंशल व समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहे।

विद्यार्थी जीवन में सकारात्मक सोच रखें : डॉ. सहारान

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। डीएवी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर में आज तीसरे दिन विद्यार्थियों के बीच भीमराव अंबेडकर कॉलेज की सहायक आचार्य डॉ.मैनपाल सहारान ने अपने विचार रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि हमें जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए और एक लक्ष्य रखना चाहिए ताकि हम जीवन में सफल हो सके। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मीनू पूनिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बिना लक्ष्य के जीवन वास्तव में जीवन नहीं है । शिविर में विद्यार्थियों ने जेड माइनर नहर पर स्थित कचरे का निस्तारण किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लिया इसके बाद जल पान ग्रहण करवाया गया कार्यक्रम में डॉ. राजेश्वर गोदारा अंजली सिंह डॉ. अनिल सिहाग डॉ.विजय सोनी और डॉ.साहिल ढालियां तथा अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

भारतीय मजदूर संघ का जिला अधिवेशन 15 को

बैठक में तैयारियों पर हुई चर्चा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय मजदूर संघ, जिला श्रीगंगानगर की बैठक जस्सा सिंह मार्ग के समीप जिलाध्यक्ष कुलविन्द्र ग्रेवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिला मंत्री राजीव वर्मा ने बताया कि इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए संरक्षक श्रवण सिंह व जीपी सिंह अरनेजा ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ, श्रीगंगानगर का जिला अधिवेशन 15 जनवरी 2025, बुधवार को प्रातः 10 बजे जवाहर नगर स्थित मुकेश ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। जिला अधिवेशन में संगठन एवं श्रमिक हित में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में जिला अधिवेशन को सफल बनाने के लिए तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा पदाधिकारियों व सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। इसके साथ-साथ 19 जनवरी 2025, रविवार को होने वाली प्रांतीय कार्यसमिति के सफल आयोजन हेतु रूपरेखा तय की गई। इस अवसर पर संरक्षक श्रवणसिंह व जीपी सिंह अरनेजा, जिलाध्यक्ष कुलविन्द्र ग्रेवाल, जिला मंत्री राजीव वर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कटारिया, भवन निर्माण मजदूर संघ अध्यक्ष ताराचन्द माहर, कोषाध्यक्ष मदन जलंधरा, उपाध्यक्ष गुरमीत, सुखा सिंह, काला वधवा व राजू रामगढ़िया, राजू गणेशगढ़िया, आंगनबाड़ी संघ अध्यक्ष सीताराम स्वामी, उपाध्यक्ष मंजू स्वामी सहित भारतीय मजदूर संघ तथा सम्बद्ध संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भीम आर्मी की समीक्षा बैठक 29 को होगी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भीम आर्मी, भारत एकता मिशन, श्रीगंगानगर की आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष सोहनलाल जनागल की अध्यक्षता में जी ब्लॉक स्थित जिला कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सोहनलाल जनागल ने कहा कि भीम आर्मी, भारत एकता मिशन, राजस्थान की समीक्षा बैठक 29 दिसम्बर, रविवार को दोपहर 12 बजे अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी, झालाना डूंगरी, जयपुर में आयोजित की गई है। इस बैठक में राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा जिला संयोजक, कार्यकारिणी सदस्य, विधानसभा संयोजक, तहसील संयोजक, व आईटी सेल टीम के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा तथा भीम आर्मी की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

सभी यातयात नियमों का पालन करें : उप निरीक्षक हंसराज

जनमार्ग न्यूज

सादुलशहर। राजकीय महिला महाविद्यालय सादुलशहर में राष्ट्रीय सेवा योजना तत्वावधान में सात दिवसीय शिविर के छठे दिन स्वंयसेवी छात्राओं को मोटरयान अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती मधुलिका परमार, सहायक आचार्य करते हुए कहा कि छात्राओं को जीवन की अमूल्यता को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों की अनुपालना करनी अनिवार्य है ताकि मानवतावादी दृष्टिकोण के आधार पर कार्य करते हुए स्वंय की सुरक्षा के साथ सामाजिक सुरक्षा के दायित्वों को निर्वहन किया जा सके। मुख्य वक्ता हंसराज, उपनिरीक्षक पुलिसथाना सादुलशहर द्वारा छात्राओं को मोटरयान अधिनियम हैलमेन्ट अनिवार्यता व वाहन बीमा अनिवार्य रूप से करवाते हुए सदैव जागरूकता से स्वयं की सुरक्षा करते हुए दूसरों की सुरक्षा का सत्त ध्यान रखें। एवं वर्तमान समय में बालिकाओं के साथ होने वाली दुर्घटनाओं पर भी विचार रखे। तत्पश्चात छात्राओं ने दोपहर का भोजन किया।

भाविप 25 जनवरी को रक्तदान शिविर लगाएगा

सूरतगढ़। भारत विकास परिषद शाखा सूरतगढ़ की आम सभा का आयोजन भारत विकास परिषद् ऑफिस सामुदायिक भवन रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश कोठारी व अशोक मखीजा ने की सबसे पहले मेगा रक्त दान शिविर के बारे में प्रकल्प प्रभारी सौरभ आहूजा ने कहा कि यह शिविर 1 जनवरी 25 को भाटिया आश्रम के सहयोग से सन सिटी रिसॉर्ट पीजी कॉलेज के सामने में आयोजित किया जाएगा। जिस में 700 से 1000 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया है इस शिविर में श्व्ड्ढद्ब बीकानेर के बल्ड बैंक, स्वस्तिक बल्ड बैंक, जिला चिकित्सालय श्री गंगानगर के बल्ड बैंक व मेत्री बल्ड बैंक टीम भाग लेगी जिस में सहयोग करने हेतु अलग अलग ड्यूटी लगाई गई इस शिविर हेतु अनिल धानुका, घनश्याम शर्मा, सुरेश कोठारी, प्रकाश चुग ने आर्थिक सहयोग की घोषणा की। लोहड़ी स्नेह मिलन समारोह 11जनवरी 25 को शाम 6 बजे आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसके प्रभारी पवन मुंजाल व डॉ जितेंद्र राठौड़ होंगे। इस कार्यकर्म में परिवारिक सहभोज, संगीत, खेल आदि के आयोजन होंगे। सरल सामूहिक विवाह कार्यक्रम वैशाखी पर आयोजित होगा जिनके प्रभारी राहुल लेघा व एडवोकेट संजय सोडा होंगे। जिस में 5 कन्याओं की शादी का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय अधिवेशन में 4 सदस्यों की भागीदारी रहेगी। जिस में कुटुंभ प्रबोधन प्रभारी घनश्याम शर्मा सपत्नीक, राजेंद्र सारस्वत, प्रकाश चुग व बृजमोहन प्रजापत जलन्दर में 28 जनवरी से 29जनवरी तक जाएंगे। सांस्कृतिक सप्ताह के लिए प्रकल्प प्रभारी श्री पुष्कर लाल खत्री ने अपने विचार रखे। शाखा अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सारस्वत ने सभी का स्वागत किया व सहयोग करने की अपील की। जिला समन्वयक अंकुर लड़ोईया, पवन खुराना, डॉ पीयूष बंसल, प्रकाश चुग, कोषाध्यक्ष नवीन खेमका आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अल्प आहार रखा गया।

सरकारी स्कूल में 60 बच्चों को स्वेटर व जर्सी वितरित

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चूनावढ़ में व्याख्याता गुरजिंदर सिंह बराड़, विजय बावल, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सुग्रीव कुमार व अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा जरूरतमंद लगभग 60 विद्यार्थियों को स्वेटर व जर्सी वितरित की गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अमरजीत सिंह सिद्धू ,उप प्राचार्य सुश्री गगनदीप कौर, व्याख्याता श्रीमती मंजू चगती,शैलेंद्र कुमार, विजेंद्र गढ़वाल, सुश्री रितु जाखड़, वरिष्ठ अध्यापक ओमप्रकाश मदान, राजकुमार, श्रीमती सुधा मोदी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती स्वर्णलता व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

सक्षम दिव्यांग सेवा केन्द्र ने राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस मनाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सक्षम दिव्यांग सेवा केन्द्र, श्रीगंगानगर द्वारा समाज और विकास के हर स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए विद्युत कॉलोनी स्थित नवचेतना बहुदिव्यांग संस्थान प्रांगण में मंगलवार को राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सक्षम संस्था के अखिल भारतीय क्रीड़ा आयाम प्रमुख डी.के. सिंह ने आरपीडब्ल्यूडी एक्ट-2016 के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने महानेत्र कुम्भ में सक्षम एवं अन्य संगठनों के सहयोग से दी जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं के बारे में अवगत करवाने के साथ-साथ सक्षम दिव्यांग सेवा केन्द्र, श्रीगंगानगर में दिव्यांगों के सर्वांगीण उत्थान के लिए संचालित गतिविधियों की भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक रघुवीरजी, सक्षम उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बवेजा, उपाध्यक्ष पीके वर्मा तथा सचिव विनोद कुमार द्वारा दिव्यांग बालक पुनीत को अनुदान स्वरूप व्हीलचेयर भेंट की गई। इस मौके पर अतिथियों, अभिभावकों, संस्था पदाधिकारियों, सदस्यों, गणमान्य व्यक्तियों तथा दिव्यांगजन द्वारा तुलसी पूजन भी किया गया। मुख्य अतिथि विभाग प्रचारक रघुवीरजी ने अपने प्रेरक उदबोधन में दिव्यांग सेवा को उत्कृष्ट सेवा बताते हुए कहा कि ईश्वर द्वारा प्रदत्त कमियों को हम सभी दूर तो नहीं कर सकते, परन्तु दिव्यांगजन के सहयोग के लिए प्रत्येक मनुष्य को सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर नवचेतना बहुदिव्यांग संस्थान के दिव्यांग बच्चे, अभिभावकगण, सत्यभामा स्पेशल एज्युकेशन एवं रिसर्च सेंटर के प्रशिक्षु-शिक्षक, स्टाफ सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सफल आयोजन के लिए सक्षम श्रीगंगानगर के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बवेजा ने सबका आभार व्यक्त किया।

CMYK

'पुष्पा 2' इतिहास रचने से एक कदम दूर...

मुंबई। फिल्म 'पुष्पा 2' ने सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। सोमवार को 'पुष्पा 2' ने 12.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इसमें से हिंदी भाषा में इसने 9.75 करोड़ रुपए की शानदार कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल नेट कलेक्शन अब 1074.85 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। हिंदी में इस फिल्म ने अब तक 689.4 करोड़ की कमाई की है। यह फिल्म अब हिंदी में 700 करोड़ रुपए क्लब में शामिल होने के करीब है। अगर ऐसा हुआ, तो यह फिल्म हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के 100 साल के इतिहास में एक अहम मील का पत्थर साबित होगी।

जान्हवी

'परम सुंदरी' में सिद्धार्थ संग आएंगी नजर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अगले साल कई लव स्टोरी बेस्ड फिल्म बॉलीवुड में रिलीज होगी, इसमें से एक दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स की 'परम सुंदरी' भी होगी। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। के मैडॉक फिल्म्स की मूवी 'परम सुंदरी' काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। इसमें जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की जोड़ी नजर आने वाली है।

हाल ही में इस फिल्म की रिलीज डेट का भी पता चल गया है। फिल्म 'परम सुंदरी' के डायरेक्शन की जिम्मेदारी दिनेश विजान ने तुषार जलोटा को दी है। यह फिल्म अगले साल 25 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। फिल्म एक लव स्टोरी है, लेकिन इसमें कहानी को जरा अलग अंदाज में कहा जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म 'परम सुंदरी' की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी। फिल्म 'परम सुंदरी' की एक फ्रेश लव स्टोरी को दिखाया जाएगा। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है। इस तरह के सब्जेक्ट पर पहले भी फिल्में बनी हैं, लेकिन दिनेश विजान और तुषार जलोटा, इसी कहानी को अलग ढंग से कहने वाले हैं। फिल्म का जो पोस्टर और लुक अभी तक रिलीज हुआ है, उसमें जान्हवी और सिद्धार्थ मल्होत्रा काफी अच्छे नजर आ रहे हैं, इन दोनों के बीच केमिस्ट्री भी अच्छी दिख रही है। फिल्म 'परम सुंदरी' में केरल को भी दिखाया जाएगा, वहां की सुंदरता को भी फिल्म में दिखाया जाएगा।

तेज दहाड़ के बाद दो कदम पीछे

मुंबई। 'मुफासा: द लॉयन किंग' वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस से करोड़ों कमाने के बाद दो कदम पीछे चली गई है। सोमवार को इसकी कमाई बीते दो दिनों की अपेक्षा आधी हो गई है। 'मुफासा: द लॉयन किंग' भारत में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मुफासा के साथ सिनेमाघरों में नाना पाटेकर की फिल्म वनवास भी है, लेकिन भारतीय दर्शक 'मुफासा पर ज्यादा प्यार लुटा रहे हैं। फिल्म सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर 6.4 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। फिल्म ने भारत में अभी तक कुल 45.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है।

क्रिस्टोफर की अगली फिल्म होगी 'द ओडिसी'

लॉस एंजिल्स। क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म द ओडिसी होगी। इस फिल्म का निर्माण यूनिवर्सल की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म होमर की प्रसिद्ध कविता ओडिसी पर आधारित, करीब 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व लिखा गया था। इस फिल्म की शूटिंग नए आईमैक्स फिल्म तकनीक का उपयोग से दुनियाभर के स्थानों पर की जाएगी। यूनिवर्सल स्टूडियो ने सोमवार को एक बयान में कहा, क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म द ओडिसी एक एक्शन फिल्म है, जो पूरी दुनिया में आईमैक्स फिल्म तकनीक का उपयोग करते हुए शूट की जाएगी। यह फिल्म होमर की इस ऐतिहासिक गाथा को पहली बार आईमैक्स स्क्रीन पर पेश करेगी। 17 जुलाई, 2026 को यह सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह कविता ग्रीक कवि होमर ने लिखी है।

एक उम्दा फिल्ममेकर हैं पल्लवी...

नई दिल्ली। निर्माता के रूप में पल्लवी जोशी ने लगातार प्रभावशाली फिल्में दी हैं। उनकी प्रोजेक्ट समाज में बदलाव लाने के उद्देश्य से बोल्ड और साहसी कहानियां प्रस्तुत करती हैं। प्रकाश से दूर रहते हुए भी, वह भारतीय सिनेमा को अपने गहन और प्रेरक दृष्टिकोण से समृद्ध कर रही हैं। पल्लवी जोशी ने भारतीय टेलीविजन सीरीज आरोहण को लिखा और प्रोड्यूस किया, जो 1996-1997 के दौरान डीडी नेशनल पर प्रसारित हुआ। द कश्मीर फाइल्स फिल्म 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के भारतीय प्रशासित कश्मीर से पलायन पर केंद्रित है। फिल्म उन घटनाओं को नरसंहार के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसे विद्वानों के बीच बहस का विषय माना गया। द ताशकंद फाइल्स में पल्लवी जोशी ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की रहस्यमयी मृत्यु को उजागर किया।

फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग शुरू...

मुंबई। 'बॉर्डर 2' की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। सनी देओल एक बार फिर भारतीय सेना के सैनिक के रूप में लौटने के लिए तैयार हैं। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर उस समय एक बड़ी हिट साबित हुई थी। आखिरकार यह इंतजार अब 29 साल बाद पूरा होने जा रहा है। फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। सनी देओल इस फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगे। इसके अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और आहान शेट्टी जैसे नए कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा बनेंगे। शूटिंग के दौरान फिल्म की टीम ने सेट से एक तस्वीर साझा की, इसमें क्लैपबोर्ड पकड़े हुए एक शख्स का हाथ नजर आ रहा है। 'द बॉर्न आइडेंटिटी' जैसी फिल्म के एक्शन सीन को कोरियोग्राफ कर चुके हॉलीवुड के मशहूर एक्शन कोरियोग्राफर निक पॉवेल बॉर्डर 2 के युद्ध एक्शन सीन डिजाइन करेंगे।

ये हैं सबसे खराब आईएमडीबी रेटिंग वाले 7 टीवी शोज...

नई दिल्ली। टीवी शोज के मामले में कई बार चीजें थोड़ी उल्टी पड़ जाती हैं। जिन शोज को सबसे अच्छी टीआरपी मिल रही है, जरूरी नहीं कि उन्हें आईएमडीबी रेटिंग भी हाई मिले। आमतौर पर खराब कहानी और लूज स्क्रीनप्ले की वजह से ऐसा होता है। बीआर चोपड़ा की महाभारत सुपरहिट रही थी, लेकिन जब एकता कपूर ने 'कहानी हमारे महाभारत की' नाम से दोबारा महाभारत बनाई तो वह बुरी तरह पिटी। दर्शकों ने टीवी पर इसे देखा तो सही लेकिन असल रिस्पॉन्स आईएमडीबी रेटिंग में नजर आया। इस शो को सिर्फ 10 में से 1 की आईएमडीबी रेटिंग मिली थी। साल 2011 में शुरू हुआ टीवी सीरियल 'ससुराल सिमर का' घर-घर में देखा गया। इस शो की आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 1.1 रही थी। एक सास की अपनी तीन बहुओं के साथ खट्टी-मीठी जिंदगी के बारे में कहानी सुनाते सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' सीरियल में दिखाई गई थी। यह अपने दौर का सुपरहिट शो था जिसकी टीआरपी काफी अच्छी थी, लेकिन आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 1.7 रही थी। रियलिटी शोज की बात करें तो लिस्ट में अनिल कपूर होस्टेड 'बिग बॉस ओटीटी' (1.9) और रणवीर सिंह होस्टेड शो 'द बिग पिक्चर' (2.1) भी शुमार है। लेकिन, क्योंकि बात टीवी शोज की हो रही है इसलिए जिक्र 'कुंडली भाग्य' नाम के शो का करना होगा, जिसकी आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 2.2 रही है। लिस्ट में साल 2000 में शुरू हुए धारावाहिक 'कहानी घर घर की' को भी जगह मिली है। क्योंकि इस सुपरहिट टीवी शो को घर-घर में बहुत प्यार मिला था, लेकिन इसकी आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 2.3 रही है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 2.4 ही है। 'अनुपमा' भी IMDb रेटिंग के मामले में सिर्फ 3.8 तक ही रैंक कर सका।

चूम दरांग ने टाइम गॉड बनने के लिए क्या लगाया दांव पर, नाराज हो गए बाकी प्रतियोगी

नई दिल्ली। रियलिटी शो बिग बॉस 18 में प्रतियोगियों के बीच किसी ना किसी वजह से लड़ाई, झगड़ा और बहस होती रहती है। कलर्सटीवी के इंस्टाग्राम पेज पर आज रात आने वाले बिग बॉस 18 के एपिसोड से जुड़ी एक वीडियो पोस्ट की गई है, जिसमें प्रतियोगी चूम दरांग ने टाइम गॉड बनने के लिए ऐसा कुछ दांव पर लगा दिया, जिसका बुरा असर बाकी प्रतियोगियों पर पड़ सकता है। इस वजह से लगभग सभी प्रतियोगी चूम दरांग से नाराज हो गए। चूम दरांग ने घर का राशन, टाइम गॉड बनने के लिए दांव पर लगा दिया है। इसमें करणवीर मेहरा उन्हें सपोर्ट करते हुए नजर आए। जब बिग बॉस ने घोषणा की इस बार के राशन में घर वालों के हिस्से में बस एक नींबू आया है तो सभी नाराज हो गए। अविनाश ने चूम को कहा कि वह एक सेल्फिश लड़की है, उसने बाकी लोगों के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचा।

कभी राज कपूर के गैरेज में रहते थे अनिल कपूर, आज करोड़ों की संपत्ति के हैं मालिक

नई दिल्ली। बॉलीवुड में एवरग्रीन अभिनेता के नाम से मशहूर अभिनेता अनिल कपूर आज भी फिल्मों में काफी एक्टिव हैं। अपने अभिनय के दम पर उन्होंने हिंदी सिनेमा में वो छाप छोड़ी है कि आज वह किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। बढ़ती उम्र के बाद भी अभिनेता के लुक्स उन्हें आज के लीड एक्टर्स के कॉम्पिटिशन में ला खड़ा कर देते हैं। हालांकि, एक कलाकार की तरह अनिल का फिल्मों में आकर अपना करियर बनाना आसान नहीं था, उन्हें कई संघर्षों से होकर गुजरना पड़ा था। अनिल कपूर का जन्म 24 दिसंबर 1956 में हुआ था। आज भी बॉलीवुड में भले ही अनिल कपूर का सिक्का चलता है, लेकिन एक ऐसा वक्त था, जब वह करियर बनाने के मुंबई आए थे और उस समय उनके पास पैसों की तंगी थी। उस समय अभिनेता अपने परिवार के साथ अभिनेता राज कपूर के गैरेज में रहते थे। इसके बाद अभिनेता ने किराए पर एक कमरा लिया था और परिवार को भी लंबे समय तक किराए के कमरे में ही रखा था।

इन हिट फिल्मों का बने हिस्सा : साल 1979 से करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता अनिल कपूर पहले कैमियो से स्क्रीन पर जगह बनाई, उसके बाद अभिनेता ने बतौर लीड एक्टर 1983 में फिल्म 'वो सात दिन' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया। अनिल कपूर ने इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी हैं। इनमें 'बेटा', 'मिस्टर इंडिया', 'मेरी जंग', 'कर्मा', 'तेजाब', 'कसम', 'राम लखन', 'हमारा दिल आपके पास है', 'लाडला' और 'नायक' शामिल हैं।

इतनी है अभिनेता की नेटवर्थ : बात करें अभिनेता के नेटवर्थ की तो अनिल कपूर मुंबई के जुहू एरिया में आलीशान बंगले में रहते हैं। उनके पास कुल तीन घर हैं। इनकी कीमत लगभग 35 करोड़ रुपए है। अभिनेता के पास पोर्श, बेंटले, बीएमडब्ल्यू, जगुआर और ऑडी जैसी कई कारें हैं। अभिनेता साल भर में 12 करोड़ रुपए कमाते हैं।

दिलचस्प है प्रेम कहानी : इसके अलावा अनिल कपूर की लव लाइफ भी काफी दिलचस्प है। अनिल कपूर जब संघर्ष कर रहे थे तो उनकी मुलाकात मॉडल सुनीता से हुई थी। पहली नजर में अभिनेता सुनीता को दिल दे बैठे थे। अभिनेता ने साल 1984 में उनसे शादी की थी।

समाज को आईना दिखाती हैं श्याम बेनेगल की ये कालजयी फिल्में, ओटीटी पर हैं मौजूद ...

नई दिल्ली। मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक श्याम बेनेगल हिन्दी आर्ट सिनेमा के दिग्गज थे। उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में दीं। आइए जानते हैं उनकी कौन-कौन सी फिल्में आप ओटीटी पर देख सकते हैं।

अंकुर : श्याम बेनेगल ने 1974 में फिल्म 'अंकुर' से निर्देशन की शुरुआत की। यह फिल्म सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी। इस फिल्म ने उन्हें दुनियाभर में पहचान दिलाई। 'अंकुर' ने 40 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते। श्याम और शबाना आजमी की यह पहली फिल्म थी। इस फिल्म को आप जियो सिनेमा पर देख सकते हैं।

मंडी : श्याम बेनेगल की 'मंडी' एक कोठे और वहां की औरतों की कहानी है। फिल्म में शबाना आजमी, स्मिता पाटिल, नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म समाज के उन लोगों के चेहरे को उजागर करती है, जो कोठे पर सवाल उठाते हैं और फिर वहीं का रुख करते हैं। प्राइम वीडियो पर आप इस फिल्म को देख सकते हैं।

मंथन : श्याम बेनेगल की फिल्म 'मंथन' भी प्रशंसकों की पसंदीदा फिल्म है। यह फिल्म 1976 में रिलीज हुई थी। मंथन पहली क्राउडफंडेड भारतीय फिल्म है। यह फिल्म जी5 पर उपलब्ध है।

वेल डन अब्बा : 'वेलडन अब्बा' ने सरकारी योजनाओं में चल रही धांधली को इस फिल्म के माध्यम से प्रदर्शित किया है। यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मौजूद है।

जुबैदा : श्याम बेनेगल की फिल्म 'जुबैदा' साल 2001 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक मुस्लिम अभिनेत्री और हिंदू राजकुमार की प्रेमकथा पर आधारित है। इस फिल्म में में करिश्मा कपूर, रेखा, मनोज वाजपेयी, सुरेखा सीकरी, रजत कपूर, लिलेट दुबे, अमरीश पुरी, फरीदा जलाल और शक्ति कपूर शामिल हैं। इस फिल्म ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है। यह फिल्म जी5 पर मौजूद है।

'सुनो सुनो ऐ दुनिया वालों बापूजी की अमर कहानी' गाना हुआ बेहद लोकप्रिय

जब मोहम्मद रफी को गाने के लिए पंडित नेहरू ने अपने घर बुलाया

नई दिल्ली। मोहम्मद रफी की 24 को 100वीं जयंती मनाई गई। इस खास मौके पर हम उनके जीवन से जुड़ा दो खास किस्सा साझा कर रहे हैं। रफी साहब से जुड़ी कई दिलचस्प कहानियां हैं, लेकिन भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से जुड़े दो किस्से ऐसे हैं, जिसे कम ही लोग जानते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि साल 1948 में रफी साहब का गाना इतना ज्यादा लोकप्रिय हुआ था कि इसे सुनने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री ने रफी साहब को अपने घर पर बुला लिया था। यह गाना 'सुनो सुनो ऐ दुनिया वालों बापूजी की अमर कहानी' था, जो बेहद लोकप्रिय हुआ।

यह भी है दिलचस्प किस्सा

इसके अलावा जवाहर लाल नेहरू से जुड़ा एक और किस्सा काफी मशहूर है। एक बार जब मोहम्मद रफी ने 'दोस्ती' फिल्म का मशहूर गाना 'चाहूंगा मैं तुझे सांझ सवेरे' एक इवेंट में गाया था तब इस कार्यक्रम में पंडित जवाहरलाल नेहरू भी उपस्थित थे। गाना सुनते हुए पंडित नेहरू अपनी भावनाओं को काबू नहीं रख सके और उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

दिलीप कुमार टॉप 10 में किस नंबर पर?

मोहम्मद रफी ने शशि कपूर के लिए 100 गानों में आवाज दी। सुपरस्टार देव आनन्द के लिए 77 गाने और दिलीप कुमार के लिए 47 गाने गाए। वहीं, जिंतर जानी वाकर के लिए कुल 129 गाने गाए। कपूर खानदान से निकले कई सितारों की आवाज मोहम्मद रफी बने। एक वक्त पर उन्हें राज कपूर की आवाज माना गया। सुजाता देव की किताब 'मोहम्मद रफी: द गोल्डन वॉयस ऑफ द सिल्वर स्क्रीन' में दिए आंकड़ों के मुताबिक लोगों को लग सकता है कि रफी साहब ने दिलीप कुमार के लिए सबसे ज्यादा गीत गाए। लेकिन दिलीप कुमार टॉप-10 की इस लिस्ट में सबसे आखिरी हैं। किताब के मुताबिक, मोहम्मद रफी ने सबसे अधिक 190 गाने शम्मी कपूर के लिए गाए। इनमें 'दीवाना हुआ बादल' से लेकर 'ये चांद सा रोशन चेहरा' और 'बदन पे सितारे' जैसे गीत शामिल हैं। किताब के मुताबिक शम्मी कपूर के बाद रफी साहब ने जिस एक्टर के लिए सबसे अधिक गाने गाए वो जॉन वॉकर हैं। उन्होंने राजेंद्र कुमार के लिए 112 गाने गाए। धर्मेंद्र के लिए 109 और देव आनंद के लिए 100 गीत गाए थे। इसके अलावा उन्होंने जितेंद्र, महमूद हैं के लिए भी गाने गाए।

किशोर कुमार पर फिल्माए कई गानों को दी आवाज

मोहम्मद रफी का शास्त्रीय धुनों से लेकर गहरी रोमांटिक धुनों तक, संगीत में उनका योगदान अद्वितीय है और उनके गीत पीढ़ियों तक गूंजते रहे हैं। आज मोहम्मद रफी की जयंती पर आपको बताते हैं कि किशोर कुमार, जो कि खुद अभिनेता होने के साथ बेहतरीन गायक थे। उनकी कई फिल्मों के गानों को मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी है। 1959 में आई फिल्म शरारत का प्रसिद्ध गाना 'अजब है दास्तां तेरी ऐ जिंदगी' को रफी ने अपनी आवाज से सजाया था। फिल्म में किशोर कुमार ने मुख्य अभिनय किया था।

सैलून से शुरू हुआ सफर : मोहम्मद रफी का जन्म 24 दिसंबर 1924 को अमृतसर के छोटे गांव कोटला सुल्तानपुर में हुआ। सुरीला कंठ उन्हें कुदरत से उपहार में मिला। कहा जाता है कि वे खुदा की आवाज थे। गायकी का सफर नाई की दुकान से शुरू हुआ और फिर मंचों से होता हुआ फिल्मी गलियारों तक पहुंच सारी दुनिया में फैल गया। दरअसल, रफी साहब के बड़े भाई सैलून चलाया करते थे। मोहम्मद रफी की पढ़ाई में कोई रुचि नहीं थी। ऐसे में उनके पिताजी ने उन्हें बड़े भाई के साथ सैलून में काम सीखने के लिए भेज दिया था। बाल काटते हुए रफी साहब गुनगुनाते। इस दौरान उनके बड़े भाई ने उनकी इस प्रतिभा पर गौर किया और उन्हें संगीत की दुनिया में आगे बढ़ाया।

दिग्गज कलाकारों को दी आवाज : रफी साहब को गायिकी की प्रेरणा एक फकीर से मिला करती थी। वे उसके साथ गाना गाते। रफी साहब ने अपने करियर में पांच हजार से ज्यादा गाने गाए। उन्होंने हिंदी के अलावा अन्य क्षेत्री भाषाओं में भी गाने गाए। कई बड़े सितारों की आवाज बनकर छा गए। रफी के साले मोहम्मद हमीद ने रफी साहब की मुलाकात नौशाद अली से करवाई। इसके बाद उन्हें 'हिंदुस्तान के हम हैं, हिंदुस्तान हमारा' की कुछ लाइनें गाने का मौका मिला। यह गाना 1944 में आई फिल्म 'पहले आप' का था। मोहम्मद रफी ने देव आनंद से लेकर राजेंद्र कुमार, राज कपूर, शम्मी कपूर, दिलीप कुमार तक तमाम दिग्गज कलाकारों को सुर दिए।

नानी बाई के मायरा री ठाकुर जी ने लाज....

किशन पित्तरजी में कथा का समापन, उमड़े श्रद्धालु

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। यहां श्री किशन पित्तरजी धाम में आयोजित नानी बाई रो मायरो के अंतिम दिन जब भगवान श्री कृष्ण छप्पन करोड़ का मायरा लेकर राधा-रूक्मिणी को साथ लेकर पहुंचे तो पूरा पंडाल जय कन्हैया लाल के जयघोष से गूंज उठा। धाम की मुखिया प्रेमाबाई के सानिध्य में आयोजित नानी बाई रो मायरो के सैंकड़ों श्रद्धालु मायरो के सामान से सजे थाल हाथ में लेकर झूमते हुए शामिल हुए। कथा का शुभारंभ प्रेमाबाई, मुख्य पुजारी लेखराम सैन व प्रबंधक ममता चौहान ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया। पूजन विधि विधान से मंत्रोच्चारण के साथ पं. गोपाल शास्त्री ने करवाया। कथावाचक राधिका दीदी ने कहा कि यह कथा सेवा, सहयोग और समर्पण की सीख देती है। कथा में सहयोग की भावना होनी चाहिए, क्योंकि सनातन धर्म को जीवित रखना है तो हमें एकजुटता मिलाकर ऐसे धार्मिक अनुष्ठानों करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नरसी मेहता में भगवान के प्रति सहयोग व समर्पण की भावना थी।नरसी मेहता व श्रीकृष्ण के बीच हुए रोचक संवाद को प्रस्तुत किया। कथा वाचक ने कहा कि घर में कितनी भी बहुएं हों, कोई अपने पीहर से कितना भी लाए, लेकिन ससुराल के लोगों को कभी भी धन के लिए किसी को प्रताड़ित नहीं करना चाहिए।

किड्स वैली कान्वेंट स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

खिलाड़ियों को मैडल देकर किया सम्मानित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। किड्स वैली कॉन्वेंट सैकेण्डरी स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अरूण गोदारा ने ध्वजारोहण करके तथा मशाल जलाकर कियाऽ हर वर्ष की भांति कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों का वार्षिक खेलकूद दिवस में स्किपिंग, बॉस्केट बाल, फुटबाल, हॉपस्कॉच, वालीबाल, बैडमिंटन, सिंपल रेस की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। स्कूल के खेल मैदानों में विभिन्न खेलों के लिए सभी प्रतिभागी उत्साहित एवं ऊर्जा से भरे हुए दिखे। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं का आनन्द लिया। सभी विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम-द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मैडल देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य अरूण गोदारा ने कहा कि स्वस्थ जीवन ही मानव जीवन की सफलता है। मनुष्य जीवन का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी हैं स्वस्थ रहने के लिए मानव जीवन का सक्रिय रहना जरूरी है। स्वस्थ जीवन खेलकूद के माध्यम से शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक विकास भी होता है इसलिए सभी लोगों के जीवन में चाहे वो विद्यार्थी हो या अन्य लोग खेलकूद का होना अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि खेलकूद स्कूल के पाठ्यक्रम के अनिवार्य अंग होते हैं। इस प्रतियोगिता में कक्षा-1 से वैष्णवी, कार्तिक प्रथम, खुशबु व आर्यन द्वितीय, तनिषा व देव तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार कक्षा-2 में देविका, यशु-प्रथम, परिणीति, हेमंत-द्वितीय व सनाया, हार्दिक-तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा-3 में आकाशदीप, अर्पित-प्रथम, जैनब, अभिजीत-द्वितीय व तृप्ति, सागर तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा-4 बैडमिंटन प्रतियोगिता में गरिमा, सागर, रिद्धिमा, माधव प्रथम, भूमिका, कर्त्तव्य द्वितीय, खुशी व हार्दिक तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा-5 में दक्ष प्रथम, रोहित द्वितीय व लक्ष्य तृतीय स्थान पर रहे। वहीं गर्ल्स रेस में आरोही प्रथम, चंचल द्वितीय व वंशिका तृतीय स्थान पर रही। वालीबाल प्रतियोगिता में एकमजोत, गुंजन, उपासना, वंशिका, एसमीत व छात्र टीम में दक्ष, चिराग, रोहित, समुद्र, लक्ष्य, पार्थ, दीपक, लक्ष्य प्रथम स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को पुरस्कृत होता देख उनके माता-पिता ने बहुत खुशी जाहिर की। स्कूल के टीचर्स को भी खेलकूद प्रतियोगितों में भाग लेने के लिए मैडल देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के अंत में विद्यालय में उपस्थित सभी विद्यार्थियों, प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं टीचर्स को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

तुलसी पूजन कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेतिया फार्म स्थित जय भारत पब्लिक स्कूल में मंगलवार को तुलसी पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय व्यवस्थापक रघुवीर शर्मा ने बताया कि विद्यालय में 25 दिसम्बर से शीतकालीन अवकाश होने के कारण एक दिन पहले 24 दिसम्बर, मंगलवार को तुलसी पूजन कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राओं ने धूप-दीप से श्रद्धापूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ तुलसी पूजन किया। हनुमान चालीसा पाठ, भजनों तथा आरती गायन से सारा वातावरण आध्यात्मिकता से ओत-प्रोत हो गया। स्टाफ सदस्यों ने तुलसी के औषधि गुणों से अवगत करवाया तथा अनेक रोगों में अत्यंत लाभदायक बताया। विद्यालय संचालक रघुवीर शर्मा ने तुलसी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा तुलसी पूजन दिवस कार्यक्रम को भारतीय संस्कृति व सभ्यता का सुरक्षा कवच बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति व सभ्यता से प्रभावित है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

नि :शुल्क स्वर्णप्राशन कार्यक्रम कल

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए 16 वर्ष तक के बच्चों को निशुल्क स्वर्णप्राशन औषधि पिलाई जाएगी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय में 26 दिसम्बर, बृहस्पतिवार को प्रात: 10 बजे 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रधानाध्यापक सुरेंद्र चनानी ने बताया कि हनुमानगढ़ रोड बालाजी धाम के समीप स्थित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में आयुर्वेदाचार्य डॉ. वरूण गुप्ता द्वारा विद्यार्थियों सहित आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले 16 वर्ष तक के बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, मेमोरी पावर बढ़ाने तथा अनेक रोगों से बचाने में लाभदायक स्वर्णप्राशन आयुर्वेदिक औषधि निःशुल्क पिलाई जाएगी। इस मौके पर डॉ. वरुण गुप्ता द्वारा स्वर्णप्राशन के महत्व के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। विद्यालय प्रबंधसमिति पदाधिकारियों, सदस्यों एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा इस कार्यक्रम का सक्रियतापूर्वक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

खत्री पंजाबी कम्युनिटी को एकजुट करने के लिए किए जाएंगे प्रयास: बहल

ऑल इंडिया पंजाबी खत्री कम्युनिटी के राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में किया जा रहा है संगठन का विस्तार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। ऑल इंडिया पंजाबी खत्री कम्युनिटी के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल ने संस्था उद्देश्यों व गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि ऑल इंडिया पंजाबी खत्री कम्युनिटी का गठन इसलिए किया गया, ताकि अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी में फैली कुरीतियों को दूर किया जा सके तथा समाज का सर्वांगीण उत्थान हो सके। श्री बहल ने कहा कि अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी कमल हांडा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूर्यवंशी साहिब दयाल वधवा तथा राष्ट्रीय महासचिव सूर्यवंशी ज्योति कमल हांडा के नेतृत्व में राजस्थान सहित पूरे भारतवर्ष में संगठन का विस्तार हो रहा है तथा सेवाभावी व्यक्ति ऑल इंडिया पंजाबी खत्री कम्युनिटी से जुड़ रहे हैं, जिससे संगठन को मजबूती मिलने के साथ-साथ समाज लाभान्वित हो रहा है। उन्होंने संस्था गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि पूरे समाज को एकजुट करके छोटे-मोटे मतभेदों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। श्री बहल ने कहा कि समाज के युवक-युवतियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए साधन मुहैया करवाने के साथ-साथ समाज के बुजुर्गों का सम्मान किया जा रहा है। सेवा कार्यों के तहत ऑल इंडिया पंजाबी खत्री कम्युनिटी द्वारा रक्तदान शिविर तथा नेत्र, दंत, मधुमेह, हृदय रोगियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। विवाह योग्य युवक-युवतियों के विवाह के लिए भी परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई व ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

चार साहिबजादो शहीदी दिहाड़े के उपलक्ष में संगत को पिलाया गर्म दूध

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। स्थानीय श्री नानक दरबार गुरुद्वारा में मंगलवार को सफर एक शहादत को समर्पित चार साहिबजादो आते माता गुजरकौर जी दा पावन शहिंदी दिहाड़े की उपलक्ष में पाठी दर्शन सिंह ने नितनेम और वाहेगुरु नाम का सिमरन किया इस दौरान बहनों द्वारा शब्द कीर्तन से गुरु जस सुना कर संगत को निहाल किया इसके बाद गुरु अरदास कर संगत में प्रसाद बांटा गया इस दौरान गुरुद्वारा के प्रधान दर्शन सिंह कामरा ने बताया कि सेवादार पंकज ग्रोवर द्वारा देग की सेवा की गई वहीं समूह संगत द्वारा 21 से 6 जनवरी तक प्रात: काल अमृत वेले गुरूघर आई संगत को गर्म दूध व बिस्कुट का प्रसाद वितरण किया गया इसी क्रम में बुधवार सुबह 8बजे चूनावढ बस स्टैंड पर चक 10 एल एल की सिख समूह संगत द्वारा गर्म दूध पिलाया जाएगा।

एक हजार डॉलर का अंशदान देकर दीपक वाट्स एमजेएफ बने

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। लायंस क्लब श्रीगंगानगर सैंटर के निवर्तमान अध्यक्ष दीपक वाट्स को एमजेएफ की उपाधि प्राप्त हुई है। लायंस क्लब सैंटर के अध्यक्ष श्याम गोस्वामी ने बताया दीपक वाट्स ने जरूरतमंदों की सहायतार्थ लायंस क्लब इन्टरनेशनल फाउंडेशन में एक हजार डॉलर का अंशदान दिया है। इस पर उन्हें एमजेएफ की उपाधि से नवाजा गया है। सचिव सचिन कुक्कड़ ने बताया कि दीपक वाटस समय-समय पर समाज सेवा के लिए योगदान देते रहें हैं। वे क्लब में अनेक पदों पर रहते प्रांतीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।

मारवाड़ी युवा मंच प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 5 को

ऑक्शन समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मारवाड़ी युवा मंच द्वारा खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को नशे से दूर करके खेलों से जोडने के लिए 5 जनवरी, 2025 को सुखाड़िया सर्किल स्थित एसडी कॉलेज खेल मैदान में मारवाड़ी प्रीमियर लीग-2025 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष विविध बिहाणी ने बताया कि मारवाड़ी प्रीमियर लीग-2025 का भव्य और रोमांचक ऑक्शन कार्यक्रम सुखाडि?ा नगर स्थित होटल में बड़ी धूमधाम तथा गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में 4 क्रिकेट टीमें खेलेंगी। मारवाड़ी लॉयन्स के गौरव मित्तल, मारवाड़ी स्टार्स के धीरज गोयल, मारवाड़ी किंग्स के दीपक अग्रवाल गिट्टी तथा मारवाड़ी वारियर्स के सुनील गर्ग ने बड़ी उत्सुकता और रणनीतिक सोच के साथ खिलाड़ियों पर बोली लगाई। सबसे अधिक कीमत पर खिलाड़ी यशवर्द्धन जैन को मारवाड़ी स्टार्स ने अपनी टीम में शामिल किया। कार्यक्रम प्रभारी राकेश गोयल मास्टरजी, दीपक लखोटिया, गजेन्द्र गोयल ने ऑक्शन कार्यक्रम का शानदार तरीके से संचालन किया। अध्यक्ष विविध बिहाणी ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच द्वारा खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समय-समय पर क्रिकेट प्रतियोगिता, बैडमिंटन प्रतियोगिता सहित अनेक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

राजस्थान में साढ़े 11 हजार अटल प्रेरक लगेंगे

● ग्राम पंचायतों में अटल ज्ञान केंद्र होंगे ● भर्ती में युवा मित्रों को मौका दे सकती है सरकार

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की साढ़े 11 हजार ग्राम पंचायतों में अटल प्रेरक लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में अटल ज्ञान केंद्र खोले जाएंगे। इसे लेकर सीएम ने कहा कि इन ज्ञान केंद्रों पर युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लाइब्रेरी और ई-लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी। प्रशिक्षण और काउंसिलिंग सुविधा भी इन केंद्रों पर उपलब्ध होगी। प्रदेश भाजपा कार्यालय में अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह मनाया गया। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। बता दें कि आज से ठीक एक साल पहले आज ही के दिन भजनलाल सरकार ने गहलोत सरकार द्वारा 50 हजार पदों पर निकाली गई महात्मा गांधी सेवा प्रेरक भर्ती को रद्द कर दिया था। इसके साथ ही 5 हजार राजीव गांधी युवा मित्रों की सेवाओं को भी खत्म कर दिया था। इसे लेकर युवा मित्र लगातार आंदोलनरत हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि अटल प्रेरकों की भर्ती में युवा मित्रों को वरीयता दी जाएगी। बता दें कि प्रत्येक ग्राम पंचायत पर पहले से ही राजीव गांधी सेवा केंद्र संचालित हैं। संभावना है कि सरकार इन सभी सेवा केंद्रों का नाम बदलकर अटल ज्ञान केंद्र कर सकती है। सीएम भजन लाल शर्मा ने आज घोषणा करते हुए कहा कि प्रत्येक अटल ज्ञान केंद्र पर एक अटल प्रेरक लगाया जाएगा। ये अटल प्रेरक जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता करेंगे। बता दें कि पिछले साल भजनलाल सरकार ने गहलोत सरकार के समय लगाए गए करीब 5 हजार राजीव गांधी युवा मित्रों की सेवाओं को समाप्त कर दिया था। यह युवा मित्र भी राज्य सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का काम करते थे। ऐसे अब मानकर चला जा रहा है कि सरकार अटल प्रेरकों में राजीव गांधी युवा मित्रों को वरीयता दे सकती है। बता दें कि हटाए जाने के बाद से ही प्रदेश में लगातार युवा मित्रों का आंदोलन चल रहा है।

बांके बिहारी स्मार्ट क्लास का शुभारंभ

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेवा के हर क्षेत्र मे अपनी सहभागिता निभाने के लिये सदैव तत्पर लायंस इन्टरनेशनल प्रान्त 3233 ई-1,रीजन -9 बांके बिहारी ने अनुठी पहल करते हुए आधुनिक शिक्षा को बढावा देने के लिए राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चक 4 ई- छोटी मे छात्र- छात्राओ के स्मार्ट क्लास रूम तैयार कर भेंट किया है। इस क्लास रूम को पुरी तरह से सुसज्जित कर 55 ईचं की स्मार्ट एलईडी स्थापित करवाई गई है। जिसका लोकार्पण प्रान्तपाल पीएमजेएफ लायन सुनील अरोड़ा द्वारा किया गया। स्मार्ट क्लास रूम विद्यालय को भेंट करते हुए प्रसन्नता व्यक्त कर प्रान्तपाल ने कहा हमारे प्रान्त का बेहतरीन परमानैन्ट प्रोजेक्ट रीजन बांके बिहारी द्वारा तैयार किया गया विद्यार्थियो को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिये वरदान साबित होगा इस स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यालय के शिक्षक बच्चो के सर्वागीण विकास के लिये ओर बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराने मे सक्षम होगें। उतम शिक्षा के इस अति उत्तम सेवा कार्य के लिए सुनील अरोड़ा ने रीजन चेयरमैन एमजेएफ लायन नरेन्द्र भठेजा को साधुवाद प्रदान करते हुए ऐसे बेहतरीन सेवा कार्य सम्पन्न कराने के लिए प्रान्त की तरफ से हर प्रकार का सहयोग प्रदान करने की बात कही। उल्लेखनीय है इस क्लास रूम को बांकेबिहारी स्मार्ट क्लास नाम दिया गया है। इस दौरान लायंस क्लब उमंग कपल के अध्यक्ष राज कुमार बाघला ने क्लब परिवार की तरफ इस स्मार्ट क्लास रूम के रखरखाव की बात कही। इससे पुर्व विद्यालय स्टाफ द्वारा प्रान्तपाल का भावभीना स्वागत किया गया व छात्राओ द्वारा अतिथियो का तिलक लगाकर अभिनन्दन किया गया रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन नरेन्द्र भठेजा ने स्वागत उद्बोधन देकर स्मार्ट क्लास रूम के बारे मे विस्तार से बताया इस शुभ अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कार्डिनेटर लायन ओ पी मगंल, स्पेशल एज्युकयुटीव आफिसर नरेंद्र चांगिया ने प्रसन्नता जताते हुए परमानैन्ट प्रोजेक्ट की शुभकामनाऐ दी। विद्यालय की अध्यापिका नीलम चावला ने कविता के माध्यम से प्रसन्नता जाहिर की प्रधानाध्यापिक कोमल चराया ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जोन चेयरमैन कुमुद गुप्ता, रीजन सचिव गौरव गुप्ता, लायंस क्लब उमंग कपल के अध्यक्ष राज कुमार बाघला, सचिव साहिल भाटीया, कोषाध्यक्ष योगेश मक्कड़, कैबिनेट सदस्य नौरग राय गर्ग सहित प्रान्तीय केबिनेट के सदस्य व विधालय स्टाफ उपस्थित था।इस अवसर पर छात्र- छात्राओ मे मिष्ठान वितरण किया गया।

ज्वेलरी शॉप से 2 मिनट में 19 लाख की चोरी

जनमार्ग न्यूज

मेड़ता। नागौर के मेड़ता में 3 बदमाशों ने एक ज्वेलरी शॉप का शटर तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। चोर 2 मिनट में 19 लाख के सोने चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। चोरी की वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। जिसमें मुंह पर रुमाल बांधे दो चोरों का हुलिया भी लगभग साफ दिखाई दे रहा है। एक चोर के हाथ पर बना टैटू भी दिख रहा है। घटना मेड़ता के रियांबड़ी कस्बे में श्री बजरंग गढ़ बालाजी ज्वेलर्स पर मंगलवार रात 3 बजे की है। रियांबड़ी निवासी रामप्रसाद सोनी (55) पुत्र पुखराज सोनी ने बताया- उनकी श्रीबजरंग गढ़ बालाजी ज्वेलर्स नाम की दुकान कस्बे के ग्रामीण बैंक के नीचे है। जिसमें मंगलवार रात को तीन बदमाश रात 2 बजकर 37 मिनट पर को दुकान पर आए और शटर तोड़ने और आसपास की चौकसी करने लगे। इसके बाद 3 बजकर 2 मिनट पर चोर दुकान के अंदर घुसे और 2 मिनट में वारदात को अंजाम देकर 3 बजकर 4 मिनट पर दुकान से बाहर निकल कर फरार हो गए।

खाटू श्याम की भक्ति में झूमे नशा छोड़ रहे सदस्य

❑ नई जिन्दगी नशामुक्ति केन्द्र में श्याम बाबा की भजन संध्या आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। 7 जैड मिर्जेवाला रोड़ स्थित नई जिन्दगी नशामुक्ति एवं पुनर्वास संस्थान में बाबा खाटू श्याम जी की भजन संध्या का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक अनिल वधवा ने बताया कि श्री खाटू धाम मंदिर श्रीगंगानगर से पं. हरीश शर्मा, के.के. शर्मा, भजन गायक विशाल सोढ़ा, दीपांशु, प्रवीण सेठी, पवन शर्मा व कुनाल द्वारा अपने भजनों के माध्यम से सभी नशा छोड़ रहे सदस्यों को नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। पूजन पंडित हरीश शर्मा द्वारा सम्पन्न करवाया गया। कार्यक्रम में लखदातार, खाटू नरेश, शीश के दानी, तीन बाणधारी की जय के जयकारे गंजूत रहे।भजन संध्या के सफल आयोजन में संस्था के स्टाफ सदस्य पंकज, जितेन्द्र, रोहित, विरेन्द्र, रमेश व लालचंद का विशेष सहयोग रहा।

सुसाइड केस में फाइनेंसर गिरफ्तार

नारनौल। नारनौल में 2 दिन पहले एक पंजाबी फैमिली द्वारा किए गए सुसाइड मामले में पुलिस ने एक आरोपी फाइनेंसर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेगी। इसके बाद आत्महत्या करने के कारणों का भी पता चल सकता है। वहीं इस मामले में दूसरा आरोपी पुलिसकर्मी का बेटा अभी फरार है।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, महान राष्ट्रभक्त, कवि व ओजस्वी वक्ता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

25 दिसम्बर, अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर विशेष

राजनीति को काजल की कोठरी मानने वाले भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक महान राष्ट्रभक्त व महान संस्कृति निष्ठ थे, जिन्होंने आजीवन अविवाहित रहकर देश की सेवा की। वे बाहरी आडम्बरों से दूर थे तथा जो कहते थे, वो करके दिखाते थे। 25 दिसम्बर, 1924 को ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में जन्मे अटल जी में बचपन में ही कविता सुनाने, नेताओं का भाषण सुनने तथा कवि सम्मेलनों में भाग लेने का शौक था। वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे, जो एक ओजस्वी प्रखर वक्ता तथा एक महान कवि व पत्रकार थे, जिन्होंने राजनैतिक ऊँचाइयों को छुआ तथा अपने विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री काल में भारत देश की अन्तर्राष्ट्रीय पहचान बनाई। वे राजनीति के भीष्म पितामह के रूप में जाने गये तथा हिन्दी भाषा को अपने भाषणों में व्यवहारिक रूप में अपनाकर विदेशों में हिन्दू राष्ट्र की पहचान बनाई। वे जनसंघ के प्रणेता तथा 1968 से 1973 तक अध्यक्ष एवं 1980 से 1986 तक भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद पर रहे। अटल बिहारी वाजपेयी अपने भाषणों व कविताओं से न केवल अपनी पार्टी बल्कि विरोधियों को भी सुनने के लिए मजबूर कर देते थे। वे कहते थे कि मनुष्य को जीवन में कभी भी हार नहीं माननी चाहिए तथा विकट परिस्थितियों में हिम्मत रखनी चाहिए। हमें दुश्मन नहीं, बल्कि प्रतिद्वंद्वी बनाने चाहिए। यह तभी सम्भव होगा, जब हम आलोचनायें सुनेंगे तथा दूसरों को सम्मान देंगे।

वे उदारवादी व्यक्तित्व के धनी एवं नेकदिल इन्सान थे एवं हिन्दी प्रेमी थे, जिन्होंने अपने विदेश मंत्री काल में संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी भाषण पढ?र अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर हिन्दी भाषा व हिन्दी राष्ट्र की अगुवाई की। वे एक कुशल प्रशासक थे तथा अत्यन्त संवेदनशील कवि थे, जिन्होंने देश के विदेश मंत्री तथा 3 बार प्रधानमंत्री पद को सुशोभित किया। अपने प्रधानमंत्री काल में अनेक देशों की यात्रायें कर दूसरे मुल्कों से मैत्री स्थापित की। उन्होंने जाति व सम्प्रदाय से ऊपर उठकर सदैव देश हित व देश विकास की बात की। उनके प्रधानमंत्री काल में भारत परमाणु शक्ति राष्ट्र बना तथा कारगिल युद्ध में पाकिस्तान देश को पराजित किया। उनके प्रधानमंत्री काल में राष्ट्रीय राजमार्ग हवाई अड्डे का विकास, नई टेलीकॉम

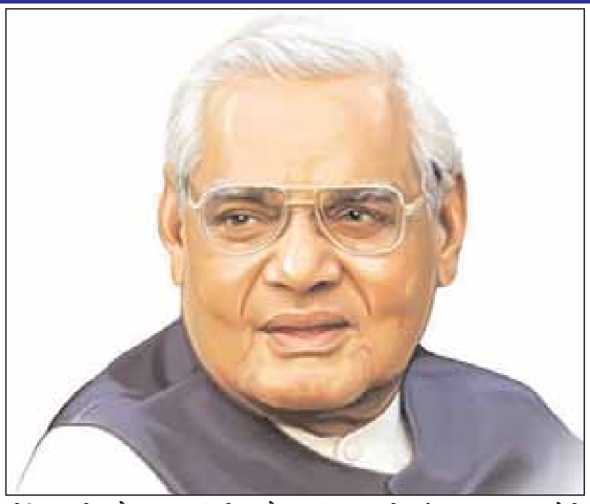

नीति, ग्रामीण रोजगार एवं बीमा योजनाएं लागू की गई तथा पुराना कावेरी जल विवाद सुलझाया गया एवं पड़ोसी देश से वार्ताओं द्वारा सम्बन्ध सुधार एवं विश्व शांति के प्रयास किये। वे एक महान पत्रकार थे, जिन्होने राष्ट्र धर्म, पांचजन्य व वीर अर्जुन जैसी पत्रिकाओं का सम्पादन कर देशवासियों में राष्ट्रीय भावना जागृत की। अटल जी एक अच्छे लेखक थे तथा अपने जीवनकाल में अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें मेरी इक्यावन कविताएँ, 21 कविताएं पुस्तक, फोर डिकेडस इन पॉलियामेंट, शक्ति से शान्ति व देवन्यमन पलायनम, क्या खोया - क्या पाया जैसी प्रेरणादायक पुस्तकें लिखी। उनकी कविता क्या खोया क्या पाया जग में, मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं, आज भी आम आदमी में जोश भर देती है। अटल जी कहा करते थे कि राजनीति काजल की कोठरी के समान है, जो इसमें जाता है, वह काला होकर ही आता है। देश एक मन्दिर के समान है। हम पुजारी हैं, हमें राष्ट्र की पूजा के लिए खुद को समर्पित कर देना चाहिए तथा उन्होंने यह खुद करके दिखाया। वे कहते थे सरकारें आयेगी व जायेगी, यह देश रहना चाहिए। इस देश का लोकतंत्र रहना चाहिए। हम अपने मित्र बदल सकते हैं, परन्तु पड़ोसी नहीं, अत- पड़ोसियों से अच्छा व्यवहार व सम्बन्ध रखें तथा उन्होंने पड़ोसी देश पाकिस्तान से सम्बन्ध बनाने का भरसक प्रयास किया। अटल जी कहते थे कि मेरे पास ना दादा की दौलत है, ना बाप की, मेरे पास माँ का आशीर्वाद है। वे कई दशकों तक भारतीय राजनीति में छाये रहे। 10 बार लोकसभा सदस्य व 2 बार राज्यसभा सदस्य रहे तथा एक ईमानदार व बेदाग छवि के राजनीतिक कहलाये। वे अपने भाषणों में कहते थे कि जीवन में बाधाएं आती है। हमें कदम मिलाकर चलना होगा तथा देश को मुश्किलों से लड़ने की हिम्मत भी पैदा करनी होगी। वे एकजुटता को सुरक्षा कवच मानते थे तथा वे कहा करते थे, मैं हमेशा वायदे लेकर नहीं इरादे लेकर आया हूँ। अटल जी कहते थे, हमेशा अपने अतीत से सीखें तथा भविष्य में गलतियां न हो, इसका ध्यान रखें। जीवन में ऐसा काम करो, ऐसा जीवन जियो, जो दूसरे के लिए प्रेरणादायक बन जाये। अटल जी कहते थे देश की खुशहाली के लिए हमें साधनों का सही उपयोग, स्त्री शिक्षा को बढ़ाना, आम आदमी के लिए शिक्षा तथा गरीब का उद्धार, वंचितों के उत्थान, महिलाओं व बच्चों का कल्याण तथा देशभक्तों का सम्मान करना चाहिए। उन्हें राष्ट्र सेवा हेतु भारत रत्न, पद्म विभूषण, गोविन्द वल्लभ पंथ जैसे अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भारत सरकार एवं देश की अनेकों संस्थाओं व संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है। उनका लम्बी बीमारी के उपरान्त 16 अगस्त, 2018 को निधन हुआ। अटल जी अटल है, अटल रहेंगे। भारतीय संस्कृति, सभ्यता, राजधर्म, राजनीति, विदेश नीति तथा आमजन की पीड़ा की समझ रखने वाले महान राष्ट्रभक्त, ओजस्वी वक्ता तथा हिंदुत्व, देशहित विकास की बात करने वाले उस कर्मयोगी अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन करते हैं।

संकलनकर्ताः मनीराम सेतिया
सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य
109-एल ब्लॉक, श्रीगंगानगर

ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस में उलझाने वाली रिपोर्ट

संदीप घोष भी जमानत पर आखिर सीबीआई ने चार महीने में क्या किया?

कोलकाता (जनमार्ग न्यूज)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 8-9 अगस्त की रात ड्यूटी के दौरान ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या हुई। इस जघन्य घटना के विरोध में देश भर के डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर 42 दिनों तक हड़ताल पर रहे। कोलकाता पुलिस की जांच के बाद कोर्ट के आदेश से केस सीबीआई को हैंडओवर किया गया। 18 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना का स्वतः संज्ञान लिया। हत्या के आरोप में संजय रे गिरफ्तारी हुई। फिर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और कोलकाता पुलिस के इंस्पेक्टर अभिजीत मंडल को भी अरेस्ट किया गया। तब ऐसा लगा कि न्याय जल्द मिलेगा मगर चार महीने बाद मौत की गुत्थी उलझती जा रही है। डॉक्टर के परिजनों का धैर्य के साथ जांच एजेंसियों से भरोसा भी टूट रहा है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हुआ था डॉक्टर से दरिंदगी का खुलासा

कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केस में चार महीने पहले क्या-क्या हुआ था? अखबारों और मीडिया में छपी रिपोर्ट पर नजर डालना जरूरी है। डॉक्टर की हत्या के बाद हॉस्पिटल प्रबंधन पर सवाल उठे थे। उन्होंने पीड़िता के पिता को मौत की जानकारी नहीं दी थी। 12 अगस्त को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मर्डर से पहले रेप की पुष्टि की गई थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से दरिंदगी की कहानी बयां हो रही थी। रेप करने वाले ने 31 साल की डॉक्टर से बर्बरता भी की थी। उसके गाल, होंठ, गर्दन, आंखें और जबड़े पर जख्म थे। उसके प्राइवेट पार्ट में भी खरोंचें थीं। अधिकांश चोटें आंख और गर्दन के बीच थी, जिससे यह आशंका जताई गई कि रेप के दौरान डॉक्टर ने खुद के बचाव के लिए संघर्ष किया था।

सबूतों से छेड़खानी हुई तो संदीप घोष को क्यों मिली जमानत?

क्रूर वारदात के बाद हॉस्पिटल प्रबंधन और कोलकाता पुलिस भी संदेह के घेरे में आई। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीबीआई ने दावा किया कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई है। इस केस में लीपापोती की कोशिश की गई है। खुद सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि प्रिंसिपल संदीप घोष किसे बचा रहे, 14 घंटे बाद स्न्ढ्ढक्र क्यों दर्ज हुई? 14 अगस्त को पूर्व प्रिंसिपल गिरफ्तार किए गए और 13 दिसंबर को चार महीने बाद उन्हें जमानत मिल गई। संदीप घोष के खिलाफ 19 अगस्त को आईपीसी की धारा 120बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत केस दर्ज किया गया था।

यूथ वीरांगनाएं टीम ने जरूरतमंद बच्चों के साथ क्रिसमस त्योहार मनाया

हनुमानगढ़। टाउन के लोहिया कॉलोनी वार्ड नंबर 23 में यूथ वीरांगनाएं टीम ने क्रिसमस कि पूर्व संध्या पर क्रिसमस त्योहार पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में बच्चों के साथ त्योहार की खुशियां बांटी गई। इस अवसर पर यूथ वीरांगना रजनी ने सांता क्लॉड़ का रूप धारण कर बच्चों को उपहार और गर्म कपड़े वितरित किए। उनका उद्देश्य उन बच्चों तक त्योहार की खुशी पहुंचाना था, जो संसाधनों की कमी के कारण इन क्षणों का आनंद नहीं ले पाते। यूथ वीरांगनाएं टीम की सदस्य भावना ने बताया कि उनका संगठन हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मो के त्योहारों को बड़े श्रद्धाभाव और भाईचारे के साथ मनाता है। यह आयोजन केवल एक त्योहार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह जरूरतमंद परिवारों और समुदाय के अन्य वर्गो को भी शामिल करता है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना और उन्हें यह महसूस कराना है कि वे भी इस समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों में जब सांता क्लॉड़ के रूप में रजनी पहुंची, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बच्चों ने उनके साथ मिलकर क्रिसमस के गाने गाए और खेल खेले। इस दौरान गर्म कपड़ों का वितरण किया गया, जिससे ठंड के मौसम में बच्चों को राहत मिल सके। संगठन ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बच्चा खाली हाथ न लौटे। यूथ वीरांगनाएं टीम ने इस आयोजन में स्थानीय समुदाय का भी सहयोग लिया। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि जरूरतमंद परिवारों को त्योहारों की खुशी के साथ-साथ आवश्यक मदद भी दी जाए। सामाजिक सेवा और धार्मिक समरसता के इस प्रयास ने समुदाय के सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। यूथ वीरांगनाएं टीम का कहना है कि वे समय-समय पर सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जिनका उद्देश्य जरूरतमंदों की मदद करना है। इससे पहले भी संगठन ने शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। इन कार्यक्रमों में महिलाओं और बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है। यूथ वीरांगनाएं टीम ने इस अवसर पर संदेश दिया कि धर्म और त्योहार केवल व्यक्तिगत आनंद के लिए नहीं, बल्कि समाज में एकता, सद्भाव और सहयोग बढ़ाने के माध्यम होने चाहिए। उन्होंने समाज के अन्य वर्गों से भी अपील की कि वे ऐसे कार्यक्रमों में सहयोग करें और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। कार्यक्रम का समापन मिठाई और चॉकलेट वितरण के साथ हुआ। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और खुशी यह जाहिर कर रही थी कि इस तरह के आयोजन उनके जीवन में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यूथ वीरांगनाऐ टीम का यह प्रयास न केवल सराहनीय है, बल्कि दूसरों को प्रेरणा देने वाला भी है। इस मौके पर मीनाक्षी, रेणु,रजनी, ऐशना, भावना इत्यादि युथ वीरांगनायें शामिल रही।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जंक्शन स्थित एनपीएस स्कूल में मंगलवार को आयोजित दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा और उपखण्ड अधिकारी मांगीलाल सुथार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था निदेशक अजय कुमार गर्ग और कोषाध्यक्ष राधेश्याम लखोटिया ने की। समापन समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। समापन कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय लेकर की। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने बच्चों को खेलों के महत्व और खेल भावना से खेलने की प्रेरणा दी। अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा ने अपने सम्बोधन में कहा, खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि मानसिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में सहयोग, धैर्य और आत्मविश्वास जैसे गुण विकसित होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हार-जीत जीवन का हिस्सा हैं और बच्चों को हारने पर निराश नहीं होना चाहिए। यह उन्हें और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देगी।

उपखण्ड अधिकारी मांगीलाल सुथार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, जीवन में खेलों का अत्यधिक महत्व है। खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता भी विकसित होती है, जो उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं में मदद करती हैं। उन्होंने इस आयोजन की सराहना की और विद्यालय प्रशासन को इस प्रकार के आयोजनों के लिए बधाई दी।

समापन समारोह में संस्था निदेशक अजय कुमार गर्ग ने कहा कि दो दिनों तक आयोजित यह खेलकूद प्रतियोगिता न केवल बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है, बल्कि इससे बच्चों का तनाव भी कम होता है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने खेलों में उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। इसके साथ ही बच्चों ने अपनी क्षमता और खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता न केवल उनके शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण थी, बल्कि इसने उन्हें टीम स्पिरिट और प्रतिस्पर्धा की भावना भी दी।

समारोह के दौरान, अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। विजेताओं का उत्साह और हौसला बढ़ाने के लिए यह पुरस्कार वितरण एक महत्वपूर्ण पहलू रहा। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। अंत में, प्रिंसिपल जसविंद्र सोढ़ी ने समापन समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के खेलकूद कार्यक्रम बच्चों के लिए न केवल मनोरंजन का स्रोत होते हैं, बल्कि यह उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए भी अत्यंत लाभकारी साबित होते हैं। उन्होंने विद्यालय की ओर से सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

'खेलोत्सव' वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जंक्शन ने अपने दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ÷खेलोत्सव÷ 2024 का भव्य उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह और जोश के साथ आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत चार स्कूल हाउसों द्वारा शानदार मार्च पास्ट के साथ हुई, जिसका नेतृत्व हाउस प्रीफेक्ट्स ने किया, जिसमें हेड बॉय मास्टर पारस माली (कक्षा 12) और हेड गर्ल मिस भावना पूनिया (कक्षा 12) शामिल थीं। मार्च पास्ट ने छात्रों के बीच अनुशासन और एकता का प्रदर्शन किया, जिसने इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम की शुरुआत की। स्कूल के प्रिंसिपल श्री एल.बी. सुब्बा ने स्कूल के खेल कप्तानों मास्टर युवराज (कक्षा 11) और मिस भावना (कक्षा 12) को औपचारिक मशाल सौंपी। इसके बाद, श्री सुब्बा ने खेल प्रतियोगिता की आधिकारिक रूप से शुरुआत की तथा विद्यार्थियों को प्रेरक सन्देश दिया कि- ÷यदि आप पदक जीतते हैं, तो इसका जश्न मनाएँ, लेकिन यदि आप नहीं जीतते हैं, तो अगली बार बेहतर प्रदर्शन करने का सबक सीखें।÷ उद्घाटन दिवस का मुख्य आकर्षण प्राइमरी सेक्शन (कक्षा 1 से 5) के छात्रों द्वारा शानदार शारीरिक प्रशिक्षण (पीटी) प्रदर्शन था। विद्यार्थियों ने पारस्परिक समन्वय के साथ प्रदर्शन किया जिससे वहाँ बैठे दर्शकों ने खूब आनंद लिया । पहले दिन नर्सरी से कक्षा 5 तक के छात्रों के लिए 35 ट्रैक और फील्ड इवेंट आयोजित किए गए। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को उनकी उपलब्धियों को पर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के साथ-साथ प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का तकनीकी प्रबंधन स्कूल के शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षकों (पीटीआई) श्री नरेंद्र शर्मा और श्री सुखरीत गोदारा द्वारा कुशलतापूर्वक संभाला गया। कार्यक्रम प्रबंधन की ज़िम्मेदारियाँ श्रीमती मंजू सुब्बा (पीजीटी) और श्री प्रदीप शर्मा (टीजीटी) द्वारा निभाई गई। खेल प्रतियोगिता दूसरे दिन भी अपनी इसी तरह जारी रहेगी , जिससे खेल भावना को बढ़ावा मिलेगा तथा छात्रों को मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

कांग्रेसजनों ने सम्मान मार्च निकाल आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ दर्ज कराया विरोध

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राज्य की भाजपा सरकार की एक साल की विफलताओं एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस के आदेश व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मंगलवार को जिला मुख्यालय पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान मार्च निकाला गया। यह मार्च डीसीसी अध्यक्ष सुरेन्द्र दादरी के नेतृत्व में जंक्शन की धानमंडी के नजदीक स्थित अम्बेडकर सर्किल से रवाना हुआ जो जिला कलक्ट्रेट के समक्ष पहुंचा। उसके बाद अमित शाह को गृह मंत्री के पद से बर्खास्त करने की मांग के संबंध में राष्ट्रपति के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेसजन डॉ. अम्बेडकर की तस्वीर वाले पोस्टर एवं अमित शाह से माफी और उनके पद से बर्खास्तगी की मांग वाले नारों के साथ मार्च में शामिल हुए। मार्च व ज्ञापन सौंपने के कार्यक्रम में विशेष रूप से पीसीसी से कार्यक्रम प्रभारी विधायक डूंगरराम गेदर और पीसीसी महामंत्री व प्रवक्ता आरसी चौधरी उपस्थित रहे। इस मौके पर विधायक डूंगरराम गेदर ने कहा कि गृह मंत्री को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने संविधान पर अपने विचार रखते हुए बाबा साहेब का अपमान किया। उनके इस बयान से देश का जनमानस आहत हुआ है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने जो बोला है वह केवल शब्द भर नहीं बल्कि उन्होंने बाबा साहेब का उपहास उड़ाया है। गेदर ने कहा कि जो लोग बाबा साहेब के सिद्धांतों पर यकीन करते हैं, और जो अधिकार हजारों सालों से दलितों-पिछड़ों को नहीं मिल पाए थे, उन अधिकारों को दिलाने में बीआर अंबेडकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस वजह से देश का बड़ा वर्ग बाबा साहेब को पूजनीय मानता है। उन लोगों का भी अमित शाह ने उपहास उड़ाया है। गृह मंत्री के तौर पर जब अमित शाह संविधान निर्माता का सम्मान नहीं कर रहे हैं, तो फिर उनको अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। पीसीसी महामंत्री आरसी चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब पर जो टिप्पणी की गई है, वह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस टिप्पणी से किसी एक समाज का नहीं बल्कि पूरे भारत देश के संविधान को बनाने वाले महापुरुष का अपमान हुआ है। हम अपने संविधान को बनाने वाले का अपमान सही नहीं करेंगे। उन्होंने बाबा साहेब पर की गई टिप्पणी को अशोभनीय बताते हुए कहा कि इस टिप्पणी को लेकर अमित शाह इस्तीफा दें या माफी मांगें। डीसीसी अध्यक्ष सुरेन्द्र दादरी ने कहा कि अमित शाह की टिप्पणी को संविधान निर्माता अंबेडकर का अपमान करार देते हुए इसे भारतीय संविधान के खिलाफ बीजेपी की मानसिकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि अमित शाह की टिप्पणी संविधान निर्माता और दलित समुदाय के प्रति अपमानजनक है। यह बीजेपी की दलित विरोधी और संविधान विरोधी मानसिकता को उजागर करती है। दादरी ने आरोप लगाया कि यदि बीजेपी को दो-तिहाई बहुमत मिलता है तो वह संविधान में संशोधन कर दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण समाप्त करने का प्रयास कर सकती है। बीजेपी की नीति संविधान को कमजोर करने और अंबेडकर की विरासत को मिटाने की है। बीजेपी सांसदों ने संसद में व्यवधान पैदा करने और विपक्षी नेताओं तक पहुंचने से रोकने के लिए जानबूझकर रणनीति बनाई। महिला सांसदों सहित विपक्षी नेताओं पर हमले और उनके साथ दुर्व्यवहार से बीजेपी की तानाशाही मानसिकता सामने आई है। हम अंबेडकर और संविधान के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। नोहर विधायक अमित चाचाण, पीलीबंगा विधायक विनोद गोठवाल व पीसीसी सदस्य भूपेन्द्र चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अमित शाह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। प्रधानमंत्री मोदी ने न तो शाह से इस्तीफा मांगा और न ही उनकी टिप्पणी की निंदा की। इसके बजाए उनके ट्वीट अमित शाह के बयान का समर्थन करते प्रतीत होते हैं। उन्होंने अमित शाह के बयान को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताते हुए कहा कि बीजेपी के कार्य न केवल अंबेडकर की विरासत को खतरे में डालते हैं। बल्कि लोकतंत्र की नींव को भी कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देशभर में विरोध-प्रदर्शन और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जागरूकता फैलाने की योजना बनाई है ताकि बीजेपी की दलित विरोधी नीति और अंबेडकर के प्रति असंवेदनशीलता को उजागर किया जा सके। जिला प्रमुख कविता मेघवाल, पूर्व प्रधान दयाराम जाखड़ व प्रधान सोहन ढिल ने कहा कि भाजपा की नियत बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान विरोधी है। गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान किया है और ये सब पूरी दुनिया ने देखा है। बाबा साहेब का अपमान देश सहन नहीं कर सकता। पीसीसी सचिव मनीष मक्कासर और एससी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर चांवरिया ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष में विकास की एक भी योजना नहीं बनी। सरकार अपनी झूठी वाहवाही करने में लगी हुई है। राजस्थान की इस निरंकुश सरकार ने इस एक साल में आम जनता के साथ कुठाराघात करते हुए कांग्रेस की ओर से शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं के नाम बदलने का काम मात्र किया है। सरकारी विभागों में बजट के अभाव में कार्य ठप पड़े हैं। इससे भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा बेनकाब हो गया है। फसलों की एमएसपी पर खरीद नहीं हो रही। महंगाई की मार भी लगातार बढ़ती जा रही है, बावजूद इसके सरकार अपनी वर्षगांठ मना रही है, जो कि समझ से परे है।

केन्द्रीय गृहमंत्री के बयान के विरोध में राष्ट्रीय मेघवाल समाज महासंघ ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राष्ट्रीय मेघवाल समाज महासंघ की जिला शाखा हनुमानगढ़ ने जिलाध्यक्ष मोहनलाल इंदलिया के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के खिलाफ दिए गए कथित अमर्यादित वक्तव्य पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। महासंघ के सदस्यों ने कहा कि यह बयान न केवल बाबा साहेब के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि समाज के लाखों अनुसूचित जाति, जनजाति और बहुजन समाज के लोगों के आत्म-सम्मान को भी ठेस पहुँचाता है। बाबा साहेब, जो भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं, के खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी अस्वीकार्य है। ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया गया कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारत को लोकतांत्रिक और समानता आधारित संविधान दिया, जिसने देश के हर वर्ग को अधिकार और स्वतंत्रता प्रदान की। उनके प्रति किसी भी प्रकार का अनादर न केवल समाज के संवैधानिक मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह जातिवादी मानसिकता को बढ़ावा देता है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस बयान से बहुजन समाज के बीच गहरा आक्रोश व्याप्त है। समाज के हर वर्ग ने इसे बाबा साहेब के आदर्शों और उनके योगदान का अपमान करार दिया है। उन्होंने मांग की कि राष्ट्रपति इस मामले का संज्ञान लें और केन्द्रीय गृहमंत्री के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। महासंघ ने अपील की कि संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए उचित कदम उठाए जाएं, ताकि समाज में व्याप्त रोष को शांत किया जा सके और भविष्य में इस प्रकार के अमर्यादित बयानों पर रोक लग सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में महासंघ के सदस्य और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मोहनलाल इंदलिया, विधायक विनोद गोठवाल, जिला प्रमुख कविता मेघवाल, प्रवीणा मेघवाल, राजाराम लखोटिया, पीथाराम जोईया, बृजलाल चौहान, हंसराज किलानिया, दलीप बसेर व अन्य सदस्य मौजूद थे।

अगरबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हनुमानगढ़। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान हनुमानगढ़ द्वारा गांव छानीबड़ी भादरा में हस्तनिर्मित अगरबत्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी अनुदेशक मुकेश भानुशाली व अनुदेशक अनिल सिंह राठौड़ ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने हस्तनिर्मित अगरबत्ती प्रशिक्षण को आजीविका का अच्छा अवसर बताया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। अनुदेशक मुकेश भानुशाली व अनिल सिंह राठौड़ ने बताया कि भादरा तहसील के गांव छानीबड़ी में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर सफल प्रशिक्षण प्राप्त करके संपन्न करवाया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रैनर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया एवं प्रशिक्षण का मूल्यांकन ईडीपी रमेश ठकराल व राजन खान द्वारा किया गया। उन्होने बताया कि उक्त प्रशिक्षण के दौरान निःशुल्क युनिफॉर्म व आवासीय सुविधा देकर प्रशिक्षण दिया गया है। जल्द ही आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये वूमेन्स टेलर्स, ब्यूटी पार्लर, सॉफ्टटॉयज आदि आरम्भ किये जायेगे, प्रशिक्षण लेने की इच्छुक युवक युवतियाँ अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

ठुकराया प्यार तो फेंका एसिड, साधु बन भक्तों में जा छिपा...

फिर पुलिस ने लगाया दिमाग और ऐसे पकड़ा गया 'राक्षस'

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। महज 24 साल उम्र थी उसकी... और आंखों में सपने थे बैंक अधिकारी बनकर सरकारी नौकरी पाने के। परिवार मिडिल क्लास था, इसलिए एक प्राइवेट नौकरी भी करती और साथ में बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी भी। हर दिन सुबह ऑफिस जाती और शाम को लौटकर तैयारी में जुट जाती। इसी बीच परिवार में खुशखबरी आई और उसकी बहन की शादी तय हो गई। सबकुछ ठीक चल रहा था कि अचानक एक तूफान आया और उसकी जिंदगी पूरी तरह से कभी ना भूलने वाले दर्द में बदल गई।

वो 28 अप्रैल 2022 का मनहूस दिन था। सुबह के लगभग 8:30 बजे होंगे, जब साक्षी (काल्पनिक नाम) हर दिन की तरह तैयार होकर अपने ऑफिस जा रही थी। अभी वह अपने ऑफिस की बिल्डिंग की पहली मंजिल पर ही पहुंची थी कि तभी पीछे से एक आदमी आया और उसके ऊपर तेजाब फेंक कर भाग गया। तेजाब की छींटों ने उसके हाथ, छाती, सिर, पीठ और पैरों पर बुरी तरह जला दिया।,

बिल्डिंग में हड़कंप मच गया और साक्षी को तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। मामले की खबर मिलने के बाद पुलिस की टीम भी हॉस्पिटल पहुंची। साक्षी भयंकर दर्द में थी, लेकिन इसके बावजूद जब उससे पूछा गया कि ये सब किसने किया, तो उसके मुंह से एक नाम निकला- नागेश बाबू। परिवार के लोगों से पूछताछ हुई तो पता चला कि नागेश नाम का ये आदमी साक्षी के चाचा के घर में किराए पर रहता है।

एकतरफा प्यार करता था नागेश

दरअसल, साक्षी बेंगलुरु में अपने चाचा के घर पर रहकर ही परीक्षा की तैयारी कर रही थी। इसी घर में किराए पर रहने वाला 27 साल का नागेश बाबू कपड़ों की एक फैक्ट्री चलाता था और वह साक्षी से एकतरफा प्यार करता था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, नागेश ने साक्षी को कई बार प्रपोज किया, लेकिन उसने हर बार मना कर दिया। हालांकि, साक्षी ने इस बारे में कभी अपने परिवार को कुछ नहीं बताया।

27 अप्रैल को नागेश ने साक्षी का पीछा किया और उससे जबरन शादी करने की कोशिश की। इस बार वह भड़क गई और उसने सारी बात अपने चाचा-चाची को बताई। साक्षी के चाचा ने नागेश को खरी-खोटी सुनाते हुए, उससे तुरंत अपना घर खाली करने को कहा और उसके बड़े भाई को भी उसकी करतूत के बारे में बता दिया।

नागेश कहां छिपा था?

अगले दिन नागेश ने सुबह ऑफिस जा रही साक्षी के ऊपर एसिड अटैक कर दिया और भाग गया। पुलिस ने साक्षी का बयान लेने के बाद बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज हासिल की और नागेश की तलाश शुरू कर दी। पुलिस के सामने ये पहला मामला था, जिसमें आरोपी का नाम और हमले का मकसद पता था, लेकिन आरोपी फरार था।

नागेश की तलाश के लिए पुलिस की टीमों ने पूरा शहर खंगाल डाला, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं मिला। उसकी बहन और बड़े भाई को भी हिरासत में लेकर पूछताछ हुई, पर उन्हें भी नहीं पता था कि नागेश कहां छिपा है? नागेश के मोबाइल की लास्ट लोकेशन बेंगलुरु ग्रामीण के होसकोटे इलाके में मिली, जो तमिलनाडु बॉर्डर के पास है। उसने अपने भाई को आखिरी बार फोन किया था और इसके बाद अपना मोबाइल फेंक दिया।

मुख्य सड़क पर सब्जी रेहड़ियों की कार्रवाई, बाजार के माहौल में हुआ सुधार

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जंक्शन मुख्य बाजार में मंगलवार नगर परिषद और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की, जिसमें सड़क पर लगी सब्जी रेहड़ियां हटा दी गई। दुकानदारों ने बताया कि कई बार सब्जी रेहड़ी चालक अपनी जगह पर कब्जा जमा लेते हैं, और सड़क पर रेहड़ियां लगाने के लिए अधिकार जताते हुए आपस में झगड़ते हैं। इस कारण बाजार का माहौल खराब हो जाता है और आम जनता को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होने बताया कि उक्त रेहड़ियों के कारण बाजार के दुकानदानों पर आने वाले ग्राहकों को दुपहिया वाहन रोकने तक की जगह भी नही मिलती। दुकानदारों ने इस समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद और पुलिस प्रशासन से शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर प्रशासन ने आज सुबह कार्रवाई करते हुए मुख्य सड़क पर लगी सभी सब्जी रेहड़ियां हटा दीं। इसके बाद, प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि इस इलाके में अब सब्जी रेहड़ी लगाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। स्थानीय दुकानदारों ने इस कदम का स्वागत किया और कहा कि अब सड़क पर जगह की कमी के कारण ग्राहकों को भी परेशानी नहीं होगी। दुकानदारों का कहना था कि रेहड़ी वालों के बीच लड़ाई-झगड़े से बाजार का माहौल बिगड़ जाता था। उन्होने प्रशासन से मांग की है कि उक्त रेहड़ियों की जगह पर बाजार के लिए पार्किंग की व्यवस्था की जाये, जिससे आवागमन सुगम हो सके।

विद्यार्थी जीवन के उत्थान में खेल बहुत आवश्यक है-प्राचार्या दया गोयल

दो दिवसीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता के समापन पर प्राचार्य दया गोयल ने खेलों को विद्यार्थी जीवन का अभिन्न अंग बताया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन स्थित लिटिल हार्ट पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता कक्षा नर्सरी से पांचवी तक की प्रतियोगिताएं संपन्न करवाई गई। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी बच्चों ने बहुत ही उत्साह से भाग लिया। इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में सर्वप्रथम बैटबॉल रेस ,बैग पैकिंग रेस ,जंप ओन स्टिक रेस, बैडमिंटन बाल रेस, म्यूजिकल चेयर रेस, ऑब्सटेकल रेस आदि प्रतियोगिताएं संपन्न हुई । कक्षा नर्सरी बैटबॉल रेस में मिहिर ,दिव्यवर्धन और राम दि एलकेजी में बाग पैकिंग रेस में समीक्षा ,श्रेयांश, रुद्रा यूकेजी में म्यूजिकल चेयर में धनंजय रियांश और नायरा कक्षा प्रथम में फ्लैग रेस में तनिष्क रीत एंड सनाया कक्षा दूसरी में कार्ट रेस में पीहू ,स्नेहा ,गुरमन और सुलेमान कक्षा थर्ड में बैडमिंटन बैल रेस में अमनदीप, माही, सिद्धि कक्षा चौथी में स्टिक ओन लेग रेस में ध्रुव और अश्मीत कक्षा पांचवी में जंप ओन स्टिक रेस में नमन और वंशिका आदि विजेता रहे ।सभी विजेता प्रतिभागियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत किया गया ।विद्यालय डायरेक्टर विकास गोयल ने शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी अपने जीवन के कैरियर के रूप में चुनने के बारे में बताते हुए बच्चों को बताया कि हमें खेलों को भी कैरियर के रूप में चुनना चाहिए और खेल हमारे शारीरिक ,बौद्धिक ,मानसिक विकास हेतु अति आवश्यक है और उन्हें शैक्षिक कौशल विकास व विद्यार्थी जीवन के उत्थान में भी खेलों का बहुत योगदान है और वर्तमान परिवेश में खेलों का महत्व और ज्यादा ब?ता जा रहा है । राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी खिला?ियों को विशेष सम्मान मिलने लगा है, विद्यालय एकेडमिक डायरेक्टर वीरेंद्र वर्मा ने भी बच्चों को खेल कूद के महत्व के बारे में बताया ।विद्यालय प्राचार्य दया गोयल ने सभी स्टाफ मेंबर को इस दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन की बधाई दी और विजेता प्रतिभागियों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया । खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के विद्यार्थी सांता क्लाज बनकर आए और बच्चों को उपहार व मिठाई वितरित की। मंच का संचालन शिक्षिका शीनम व डिंपल ने किया ।विद्यालय स्टाफ रश्मि , शीतल, सुनीति, रीमा ,स्वीटी ,श्वेता, पूजा, हरप्रीत,रूबीन,मनप्रीत,जगतपाल आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा ही सबसे बड़ी संपति, बच्चों को संस्कारवान बनाएं : देवेंद्र

अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का बेबी हैप्पी मॉडर्न कॉलेज में विभिन्न संगठनों और सर्व समाज ने किया अभिनंदन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुढिया का मंगलवार को जंक्शन स्थित बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज में विभिन्न संगठनों और सर्व समाज की ओर से अभिनंदन किया गया। अभिनंदन समारोह में अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदी लाल मीना, संगरिया विधायक प्रतिनिधि अरविंद पूनियां, राजस्थान प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय, पीलीबंगा के पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष गोदारा, ठेकेदार नितेश बिश्नोई, शिक्षाविद् भगवानदास गुप्ता, एससकेडी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन दिनेश जुनेजा, बेबी हैप्पी कॉलेज के चेयरमैन आशीष विजय, डिस्कॉम के सेवानिवृत एसई मांगीराम बिश्नोई, पूर्व पार्षद अर्चित अग्रवाल, बाल कल्याण समिति के सदस्य विजय सिंह चौहान, भटनेर किंग्स क्लब के अध्यक्ष कुलभूषण जिंदल, जाट समाज के कपिल सहारण, बिश्नोई समाज के रामचंद्र सहू, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विशाल पारीक, बार संघ के प्रतिनिधि एडवोकेट गणेश गल्होत्रा आदि ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का माला पहनाकर अभिनंदन किया।

अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुढ़िया ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने बच्चों को अच्छी तालीम दिलाकर संस्कारवान बनाना चाहिए। हर संपति का बंटवारा हो सकता है, लेकिन शिक्षा का कभी बंटवारा नहीं होता। शिक्षित समाज आगे बढ़ता है, वहीं शिक्षित परिवार भी प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। जब बीकानेर संभाग में शिक्षण संस्थानों की बात होती है तो बेबी हैप्पी कॉलेज का नाम सबसे पहले लिया जाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुढ़िया ने कहा कि गुरु जंभेश्वर भगवान ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया था। इसलिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उनकी सार-संभाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु जंभेश्वर भगवान के बताए 29 नियम का पालन करने वाला व्यक्ति हमेशा स्वस्थ रह सकता है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदीलाल मीना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर खुशी के अवसर पर पौधे लगाकर हम अपना योगदान दे सकते हैं।

राजस्थान प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय ने कहा कि अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुढ़िया का हनुमानगढ़ पधारना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि मधुर भाषी और मिलनसार व्यवहार के कारण आज देवेंद्र बुढ़िया की अलग पहचान है। हर समाज और हर वर्ग में उनके प्रसंशक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व संभालते हुए देवेंद्र बुढिया बिश्नोई समाज के उत्थान में अपना पूरा योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों ने देवेंद्र बुढ़िया का साफा पहनाकर और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। इस मौके पर कपिल गोयल, विनोद चोटिया, सतनाम सिंह, हरि चारण, आशीष गोयल, इंद्र सिंधी, अमित डोटासरा, विशाल मुदगिल, मनोज बढ़सीवाल, अशोक जैन, मुन्ना जैन, इंद्र बिश्नोई, रामेश्वर चांवरिया, मुकेश सहारण आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुढ़िया ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए महासभा विभिन्न कार्य कर रही है। समाज के बच्चों को अच्छी और सुलभ शिक्षा के लिए प्रयास कर रही है। पर्यावरण के क्षेत्र में महासभा द्वारा 26 फरवरी को कीर्तिमान रचा जाएगा। मुकाम और समराथल धोरा के मध्य व मेला मैदान में 3 लाख 63 हजार पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज की पहचान ही पेड़ों और जीवों की रक्षा करने वालों के रूप में होती है। खेजड़ली में 363 लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए बलिदान दे दिया था। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को प्रेरित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा अमृतादेवी पार्क विकसित होने चाहिए।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन, गृहमंत्री अमित शाह को बर्खास्त करने की मांग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में एक जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का आयोजन पार्टी के जिला अध्यक्ष महावीर सहजीपुरा व जोन प्रभारी प्रेम कुमार नायक के नेतृत्व में किया गया, जिसमें पार्टी के समर्थकों ने गृहमंत्री अमित शाह को मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग की। प्रदर्शनकारी बसपा कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री के खिलाफ विभिन्न आरोपों को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने तख्तियों और बैनरों के माध्यम से अपने विरोध को जोरदार तरीके से व्यक्त किया। उनका आरोप था कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा उठाए गए कुछ विवादास्पद कदमों और बयानबाजियों से समाज में असहमति और तनाव बढ़ा है। जोन प्रभारी प्रेम कुमार नायक ने कहा कि गृहमंत्री ने भारतीय संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ कई ऐसे निर्णय लिए हैं, जो समाज में असमानता और भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। महावीर सहजीपुरा ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह के निर्णयों और कार्यों ने आम जनता और विशेषकर समाज के पिछड़े वर्गों के बीच विश्वास की कमी पैदा की है। उन्होंने कहा कि क्स्क पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के लिए संघर्ष करती रही है, और इस बार भी वह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठा रही है। ज्ञापन में मांग की गई कि गृहमंत्री के खिलाफ तुरंत जांच शुरू की जाए और उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि क्स्क देश में व्याप्त असमानताओं और सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए हमेशा संघर्ष करती रहेगी।इस दौरान जोन प्रभारी सीताराम सीला, जिला प्रभारी रामप्रसाद मैहरडा, जिला प्रभारी प्रेमनाथ सपेरा, जिला उपाध्यक्ष संजय बाल्मीकि, जिला महासचिव रामप्रताप कांवलिया, जिला सचिव सुरेंद्र परिहार, पूर्व जॉन प्रभारी बनवारी लाल चालिया, विधानसभा प्रभारी महावीर नायक, विधानसभा प्रभारी संदीप पटीर, विधानसभा अध्यक्ष शंकर नायक, विधानसभा अध्यक्ष रामगोपाल परिहार, पीलीबंगा प्रभारी कालूराम पटीर,निराणा राम सरपंच, विजय किलानिया, दलीप बीबान, ताराचंद परिहार, अमर सिंह तलवाड़ा, ताराचंद नायक, महेंद्र कुमार, मनीराम सारड़ीवाल, बीरबल घोटड़, दलीप गुडेसर, राजकुमार मैहरडा, महावीर धानिया, रामकिशोर, भूराराम, रामलाल बाबरी, धनपत चौपड़ा, सुनिल कुमार, महेंद्र ढाल, जीवराज सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नोजगे पब्लिक स्कूल में क्रिसमस सेलिब्रेशन का आयोजन

- कार्यक्रम में केजी व प्राइमरी सैक्शन के बच्चों ने लिया भाग

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल में क्रिसमस सेलिब्रेशन-2024 का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत पहले दिन हुए कार्यक्रम में केजी व प्राइमरी सैक्शन के बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान क्लासिकल डांस, क्रिसमस कहानी कथक, क्रिसमस कैरोल, नृत्य प्रदर्शन व बॉलीबुड नृत्य आदि कार्यक्रम हुए। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सेलिब्रेशन के लिए निदेशक (जनरल) सुरेन सूदन, प्रिंसीपल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। नन्हे मुन्ने बच्चे सांता क्लॉज बनकर आए। इस कार्यक्रम में टीचर ने डान्स परफॉर्मेंस दी। सांता क्लोज की झांकी भी बनाई

गई। सभी कक्षा अध्यापकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं को डेकोरेट किया गया। अध्यापकों ने क्रिसमस कैरोल गाये। प्रिंसिपल ने बताया कि प्राइमरी, सेकेंड्री व सीनियर सेकेंडरी विंग में भी क्रिसमस सेलिब्रेशन की धूम रही। डायरेक्टर प्राइमरी पल्लवी जैन ने बताया कि कक्षा 6 एम की किरण बराड ने प्रथम, 6 आई की कंचन अरोड़ा द्वितीय, 6 पी की मनप्रीत सिडाना ने तृतीय, 5 डबल्यू की सुखवीर ने प्रथम, 5 एन की रेणु गुप्ता ने द्वितीय, 5 आर की नमिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं कक्षा 4 एन की अर्शप्रीत ने प्रथम, 4 डबल्यू की संतोष ने द्वितीय, 4 आर की भावना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा कक्षा 3 आई की शिवानी खुराना ने प्रथन, 3 पी और 3 जी के जसबीर और भानु भक्षी ने द्वितीय, 3 एन की सोनिका खुर्सीजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। प्राइमरी कक्षाओं में भी क्रिसमस वंडरलैंड थीम पर इंटर सेक्शन क्लास डेकोरेशन कम्पिटिशन करवाया गया। डायरेक्टर फ़ाउंडेशन ममता सेठी ने बताया कि क्रिसमस थीम पर क्लास डेकोरेशन प्रतियोगिता में नर्सरी (पी) से प्रियंका सोनी, एलकेजी (एन) से पल्लवी, यूकेजी (एस) से मानसी, कक्षा फ़र्स्ट (एस) से तन्नवी बत्रा व कक्षा सेकंड (पी) से कोमल बेस्ट टीचर व क्लास चुनी गई। डायरेक्टर (मीडल व सेकेंडरी) भावना ग्रोवर ने बताया कि क्रिसमस ट्री सजाने की प्रतियोगिता में कक्षा 7 एन की नेहा चराया ने प्रथम पुरस्कार, कमलजीत बराड़ (7 डब्ल्यू) ने दूसरा पुरस्कार, अलीशा उत्रेजा (7 वी) ने तीसरा पुरस्कार, 8 एन की ज्योति खुराना प्रथम ने प्रथम, 8 जी की अनिका बत्रा ने दूसरा, 8 जी की सपना मल्होत्रा ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

जयपुर-श्रीगंगानगर-जयपुर ट्रेन अब 30 जून तक संचालित होगी

- पहले 31 दिसंबर तक होना था संचालन
- स्पेशल ट्रेन की संचलन अवधि बढ़ी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। प्रदेश की राजधानी जयपुर से श्रीगंगानगर के बीच संचालित होने वाली जयपुर-श्रीगंगानगर जयपुर ट्रेन की अवधि में विस्तार किया गया है। पहले यह ट्रेन 31 दिसंबर तक चलनी थी। अब यह ट्रेन 25 जून तक संचालित होगी। ट्रेन में मिल रहे बेहतरीन यात्री भार को देखते हुए इस ट्रेन की संचालन अवधि बढ़ाई गई है। रेलवे ने पिछले दिनों श्रीगंगानगर से जयपुर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए इस ट्रेन का संचालन 31 दिसंबर तक के लिए किया था। यात्रियों के लिए सुविधाजनक होने के कारण बड़ी संख्या में लोग इसमें यात्रा कर रहे हैं। यह ट्रेन श्रीगंगानगर से रात पौने बारह बजे चलती है। इस रात्रिकालीन ट्रेन में यात्रा करना लोगों के लिए काफी सुविधाजनक है। ऐसे में लोग इसे काफी पंसद करते हैं। इस ट्रेन की अवधि जून तक बढ़ने से सादुलशहर, धौलीपाल, हनुमानगढ़, टिब्बी, नोहर, दीपलाना, गोगामेड़ी, भादरा, अनूपशहर, सिद्धमुख, सादुलपुर, रामपुरा बेरी,लोहारू, सूरजगढ़, चिड़ावा, रतनशहर, झुंझुनूं, नुआ, डूंडलोद, नवलगढ़, सीकर, पलसाना, रींगस और डेहर का बालाजी की तरफ जाने वाले यात्रियों को लाभ होगा।

कार की टक्कर से घायल बुजुर्ग की मृत्यु

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जंक्शन थाना क्षेत्र में एक अज्ञात काले रंग की कर की टक्कर लगने से घायल हुए एक बुजुर्ग व्यक्ति की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।दुर्घटना की जांच करें एएसआई अजीतसिंह ने बताया कि वार्ड नंबर 56 के सुरेशिया मोहल्ला का निवासी मोहम्मद मुस्ताक (63) विगत 20 दिसंबर को सुरेशिया मोहल्ला में ही 100 फीट रोड पर पैदल जाते समय एक काले रंग की कार की टक्कर लगने से गंभीर घायल हो गया था। उसके हाथ,पैर पसलियों और कमर में काफी गंभीर चोटे लगी। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। मोहम्मद मुस्ताक को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था,जिसकी कल मृत्यु हो गई।

इंस्टाग्राम पर किशोरी की फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो वायरल करने का मामला

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। केसरीसिंहपुर में 14 वर्षीय एक किशोरी की इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो वायरल करने का एक मामला सामने आया है।पुलिस के अनुसार किशोरी के पिता द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा 66-ई, 67-बी और पोक्सो एक्ट की धारा 13/14 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को रिपोर्ट देते हुए उक्त शख्स ने बताया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी 14 वर्षीय बेटी के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बना रखी है,जिस पर वह अश्लील फोटो वायरल कर उसे और उसके परिवार को बदनाम कर रहा है।इस कारण उसकी पुत्री और उसके

परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच थानाधिकारी सीआई जितेंद्र स्वामी कर रहे हैं। पुलिस की साइबर टीम पता लगाने में जुट गई है कि इंस्टाग्राम पर उक्त आईडी किस आईपी एड्रेस से जनरेट की गई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी का जल्दी ही पता लगा लिया जाएगा।

रोडवेज बस चालक सहित दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। ट्रक का डीजल चोरी करने के आरोप में राजस्थान रोडवेज की एक बस के चालक सहित दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों व्यक्ति श्रीगंगानगर जिले के निवासी हैं। बीछवाल थाना में तैनात एएसआई मोहनराम ने बताया कि विगत 15 सितंबर को गोविंद गोपाल कुम्हार (28) निवासी जैन आईस फैक्ट्री रामपुरिया हवेली के पास थाना कोतवाली बीकानेर द्वारा दर्ज करवाए गए मुकदमे में कपिल बिश्नोई (30) निवासी दुलपुरा थाना लालगढ़ जाटान और अशोक जाट (34) निवासी चक 8-एचएच दानीराम वाला थाना चूनावढ को गिरफ्तार किया गया है।

कृषि कार्य करते चक्कर आने से मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले के फेफाना थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की खेत में कृषि कार्य करते समय चक्कर आ जाने से मृत्यु हो गई।पुलिस के अनुसार लालसिंह भाटी राजपूत (30) निवासी वार्ड नंबर 8 फेफाना ने रिपोर्ट देते हुए बताया है कि उसका पिता रूपसिंह राजपूत(60) विगत 24 दिसंबर को खेत में कृषि कार्य कर रहा था। चक्कर आने से वह बेहोश होकर गिर गया। उसे तुरंत फेफाना के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद लाश परिवार वालों के सुपुर्द कर दी। रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज की गई है।

रविंद्र पथ पर कार पार्किंग को लेकर झगड़ा, दंपति से अभद्र व्यवहार का आरोप

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। रविंद्र पथ पर रिलायंस ज्वैलर्स शोरूम के पास सड़क किनारे एक कार पार्क किए जाने को लेकर पास के एक स्वर्णकार और उसके कर्मचारी द्वारा दंपति से मारपीट, अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना सामने आई है। कोतवाली पुलिस के अनुसार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जवाहरनगर निवासी 38 वर्षीय युवती द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर रविंद्र पथ पर रिलायंस ज्वैलर्स के नजदीक एक अन्य स्वर्णकार मनोज सोनी और उसकी दुकान के एक कर्मचारी के खिलाफ मारपीट और अभद्र व्यवहार करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। युवती ने बताया कि वह 23 दिसंबर की दोपहर लगभग 3 बजे अपने पति के साथ कार में रविंद्र पथ पर गई थी। वहां पास में ही उसका मायका है। उसके पति ने कार को सड़क के किनारे व्हाइट लाइन और नाली के बीच वाहन पार्क किए जाने वाली जगह पर खड़ा किया था। कुछ देर बाद वे वापस कार में बैठकर जाने लगे तो पास की दुकान से मनोज सोनी भाग कर आया और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। युवती के अनुसार उसकी डेढ वर्षीय भतीजी उसकी गोद में थी। मनोज सोनी ने किर की खिड़की से अंदर हाथ डालकर उससे अभद्रता की। उसकी लज्जा भंग करने का प्रयास किया।उसके पति के साथ भी मारपीट की। मनोज सोनी के पास पेचकस और उसके कर्मचारी के पास कोई नुकीली वस्तु थी, जिससे वह बार-बार करने के लिए डरा धमका रहे थे।

नोहर सब जेल में आग भड़कने से पांच बंदी झुलसे

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले में नोहर शहर की सब जेल में आज सुबह आग भड़कने से पांच बंदी मामूली झुलस गए। अचानक आग भड़कने से बंदियों में अफरा तफरी मच गई। घटना का पता चलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जानकारी लेने के लिए सब जेल में पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सब जेल में सुबह 10 बजे लंगर खाना में दोपहर का खाना बनाने की तैयारी चल रही थी।इसी दौरान एलपीजी गैस की एक पाइप निकल गई, जिसमें आग लग गई। जलती हुई पाइप हवा में इधर-उधर लहराई तो आसपास खड़े पांच बंदी आग की चपेट में आ गए। जानकारी के अनुसार हरीश पुत्र मनोहर नाथ, अल्लाह रक्खा पुत्र पप्पू खां, जयदीप पुत्र सुरेश कुमार, मांगीराम पुत्र रामकुमार और सतवीर पुत्र धर्मपाल नमक पांच बंदियों को झुलसी हुई हालत में नोहर के राजकीय चिकित्सालय में लाया गया। चिकित्सीय सूत्रों के मुताबिक यह

बंदी मामूली रूप से झुलस गए थे, जिनको उपचार करने के बाद वापस जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार जब एलपीजी गैस की पाइप अचानक निकाली और इधर-उधर लहराने लगी तो लंगर खाना में कई बंदी दोपहर का खाना बनाने में लगे हुए थे। उनमें अफरा तफरी मच गई। दो-तीन बंदिया ने हिम्मत दिखाते हुए जल रही पाइप के दूसरे सिरे को बाहर निकाल दिया, जिससे गैस की सप्लाई पाइप में रुक गई और बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना का पता चलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जेल में पहुंचे। उन्होंने सारे मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि एलपीजी गैस के लिए लगाई हुई पाइप सही तरीके से नहीं लगी हुई थी जो कि गैस के ज्यादा प्रेशर के कारण एक तरफ से निकल गई और उसमें से निकल रही गैस मैं आग लग गई थी। आज से लंगर खाना में कोई नुकसान होने की खबर नहीं है।

विवादित कृषि भूमि पर कब्जे के लिए इकट्ठे हो रहे व्यक्ति गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। अनूपगढ़ जिले में समेजा कोठी थाना क्षेत्र के गांव खमीसा में एक विवादित कृषि भूमि पर कब्जा करने की नीयत से इकट्ठे हुए 9 व्यक्तियों को पुलिस ने झगड़ा फसाद होने से पहले ही शांति व्यवस्था भंग करने के उद्देश्य में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गुरविंदर सिंह जटसिख (44) निवासी खमीसा, योगेंद्र कुमार उर्फ योगी नायक (22) निवासी कमराणिया, गणेशराम नायक (20) निवासी चक 18 एपीडी, राजकुमार कुम्हार निवासी चक 18 एपीडी, संजय कुमार नायक (19) निवासी ढाणी बांडा, लखविंदरसिंह मजहबी सिख(22) निवासी चक 22 एमडी, अजय सिंह मजहबी सिख (20) निवासी चक 14 एसजेएम, जितेंद्र सिंह मजहबी सिख (22) निवासी चक 14 एपीडी और दीपक नायक (20) निवासी चक 18 एपीडी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि खमीसा गांव में एक कृषि भूमि पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है। तीन-चार महीने पहले इस जमीन को लेकर झगड़ा हो गया था।

अरोडवंश ट्रस्ट चुनाव की तैयारी, वोटर लिस्ट का डिजिटाइजेशन और अपग्रेडेशन आरंभ

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। इलाके में अरोड़ा पंजाबी समाज की सबसे बड़ी संस्था अरोडवंश सनातन धर्म मंदिर (ट्रस्ट) के आगामी चुनाव की तैयारी शुरू हो गई हैं। इन दिनों ट्रस्ट की सदस्यता सूची(वोटर लिस्ट) का डिजिटाइजेशन व अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा है। ट्रस्ट में सदस्यों की संख्या 10 हजार से अधिक है। पहली बार वोटर लिस्ट का डिजिटाइजेशन और अपग्रेडेशन किया जा रहा है।इससे वोटरों की संख्या में काफी बदलाव आने की संभावना है। ट्रस्ट की मौजूदा कार्यकारिणी का 3 वर्ष का कार्यकाल अगले वर्ष जून में पूरा होने वाला है। ट्रस्ट के अध्यक्ष अंकुर मगलानी ने बताया कि सदस्यता सूची का

काफी विस्तार से विश्लेषण करने के उपरांत वर्तमान सदस्यता सूची में अनेक कमियां पाई गई हैं, जिन्हें दूर करने का निर्णय लिया गया है। सदस्यता रिकॉर्ड के प्रभारी राजेश जग्गा के अनुसार सदस्यता सूची में काफी सदस्यों के पते अधूरे हैं। कुछ सदस्य ऐसे हैं जो वर्तमान में जीवित नहीं हैं। ऐसे भी अनेक सदस्य हैं,जिनके नाम एक से अधिक बार दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि अनेक सदस्य ऐसे भी हैं जो पिछले कई वर्षों से श्रीगंगानगर में निवास नहीं कर रहे। ट्रस्ट का गठन 1962 में हुआ था। रिकॉर्ड अत्यधिक पुराना होने के कारण कुछ सदस्यों के फॉर्म पठनीय नहीं रहे। कुछ सदस्यता फॉर्म के साथ एड्रेस प्रूफ भी नहीं हैं।

मलोट से साधुवाली आया युवक लापता

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जवाहरनगर थाना क्षेत्र में पंजाब सीमा से लगते साधुवाली गांव में अपनी रिश्तेदारी में मलोट (पंजाब) से आया एक युवक 5 दिन से लापता है।इस संबंध में थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस के अनुसार साधुवाली निवासी सूरज ने रिपोर्ट देते हुए बताया है कि उसका ममेरा भाई प्रिंस (25) पुत्र मोहनलाल विगत 15 दिसंबर को साधुवाली में उसके यहां रहने के लिए आया था। वह 20 दिसंबर को अपना बैग लेकर वापस मलोट जाने का कहकर चला गया लेकिन वह मलोट नहीं पहुंचा। उसका मोबाइल फोन उसी दिन से बंद है। उसने ब्राउन कलर की स्वेट हुड्डी, ग्रे कलर की पेंट और सफेद रंग के स्पोर्ट्स शू पहने हुए हैं। उसके पास ब्राउन कलर का ही बैग है।

विनोबा बस्ती दुर्गा मंदिर क्षेत्र में पुलिस की धरपकड़ जारी

- अब तक 200 से अधिक मोटरसाइकिल सीज
- अधिकांश मोटरसाइकिल मॉडिफाइड बुलेट

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश पासवान द्वारा पिछले हफ्ते श्रीगंगानगर का दौरा करने के दौरान विनोबा बस्ती दुर्गा मंदिर क्षेत्र के लोगों ने खुलकर शिकायत की थी कि इस इलाके में पीजी हॉस्टल्स तथा कोचिंग सेंटर्स में पढ़ाई करने वाले तथा पढ़ाई करने के नाम पर आवारा गर्दी और गुंडागर्दी करने वालों ने नाक में दम कर रखा है। इनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने की मांग की गई थी। पुलिस महानिरीक्षक के कड़े निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के

सुपरविजन में कोतवाली पुलिस द्वारा पिछले रविवार से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कोतवाल सीआई पृथ्वीपालसिंह ने बताया कि बीते तीन-चार दिनों में इस इलाके में अनावश्यक रूप से मोटरसाइकिलों पर घूमने वाले मनचले किस्म के युवकों पर कार्रवाई की जा रही है। उनके मोटरसाइकिलों के कागजात चेक किया जा रहे हैं। कागजातों में कमी अथवा पूरे कागजात नहीं पाए जाने पर मोटरसाइकिल सीज किये जा रहे हैं।अभी तक 200 से अधिक मोटरसाइकिलों को सीज किया गया है।इनमें से कुछ मोटरसाइकिलों को उसके सभी कागजात पेश करने पर छोड़ भी गया है। जिनके कागजात पेश नहीं किए गए हैं, वे थाने में जब्त करके खड़े किए हुए हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। पुलिस के मुताबिक सीज किए गए मोटरसाइकिलों में ज्यादातर मोडिफाइड किए हुए बुलेट मोटरसाइकिल हैं। मॉडिफाइड बुलेट मोटरसाइकिल को मनचले युवक गलियों में बार-बार तेजी से दौड़ाते हैं और पटाखे बजाते हैं। बकौल पुलिस मोटरसाइकिल को मोडिफाइड करना परिवहन नियम-कायदों के खिलाफ है। मॉडिफाइड मोटरसाइकिल को जब्त करने के बाद छोड़ने पुलिस के हाथ में नहीं है। इसके लिए अदालत में दरखास्त पेश करनी होती है। इसी वजह से थाने में खड़े किए मोटरसाइकिलों में ज्यादातर बुलेट मोटरसाइकिल है। इन मोटरसाइकिलों को छुड़वाने के लिए युवक अब भाग दौड़ कर रहे हैं। मोटरसाइकिल को छोड़ने में किसी की सिफारिश भी काम नहीं आ रही क्योंकि पुलिस महानिरीक्षक कड़े निर्देश दे कर गए हैं कि उनकी इजाजत के बिना किसी का मोटरसाइकिल ऐसे ही नहीं छोड़ा जाएगा।

अंतर विभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में कर्मचारी उत्साह से हुए शामिल

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। मुख्यालय पर अंतर्विभागीय पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि प्रतियोगिता के पहले सिंगल्स पुरुष के मुकाबले गंगानगर क्लब में करवाये गए, जिसमे पीएनबी बैंक, एसबीआई बैंक, कलेक्ट्रेट, जल संसाधन, जेल, शिक्षा, चिकित्सा, बॉयलर, अभियोजन इत्यादि विभाग में कार्यरत राजसेवकों द्वारा भाग लिया गया। 28 दिसंबर को डबल्स के मुक़ाबले करवाये जायेंगे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692